राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

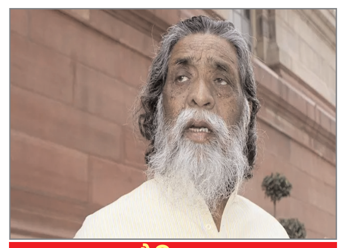

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार , 07 मार्च 2026
वर्ष 14, अंक 314, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बिना हेलमेट और इंश्योरेंस के बाइक चलाते दिखे पुलिसकर्मी, उठे सवाल...03

पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार का आश्वासन, देश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं...04

रूस से तेल खरीदने के लिए भारत को मिली 30 दिन की छूट, अमेरिकी एलान पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिका ने रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बीच भारत को रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट दे दी है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा है कि समुद्र में फंसे रूसी तेल की खेपों को वैश्विक बाजार में बनाए रखने के उद्देश्य से भारतीय रिफाइनरियों को यह अनुमति दी जा रही है। ट्रेजरी की इस घोषणा ने एक बार फिर चौंकाया है क्योंकि भारत सरकार यही कहती रही है कि वह देश की ऊर्जा सुरक्षा को देखते हुए किस देश से तेल खरीदना है और किस से नहीं, इसका फैसला करती है।

अमेरिकी घोषणा पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

बहरहाल, कांग्रेस की ओर से अमेरिका की तरफ से की गई घोषणा को भारतीय संप्रभुता पर सवाल उठाते हुए सरकार पर अमेरिकी दबाव के आगे झुकने का आरोप लगाया है, जबकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के अनुसार स्वतंत्र रूप से तेल खरीदता है।

रूस के नहीं मिलेगा बड़ा आर्थिक लाभ- बेसेंट

बेसेंट के मुताबिक यह कदम जानबूझकर बहुत सीमित अवधि के लिए उठाया गया है ताकि रूस को इससे कोई बड़ा आर्थिक लाभ न मिल सके, क्योंकि यह केवल उन तेल खेपों के लेनदेन की

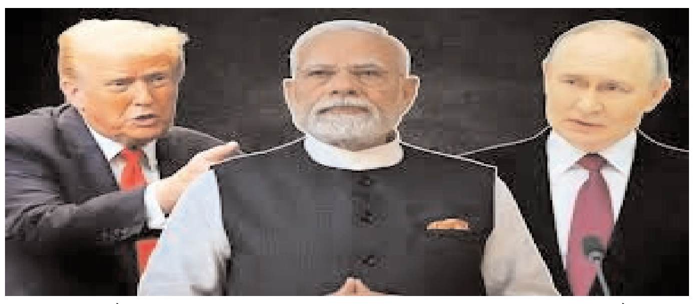

अनुमति देता है जो पहले से समुद्र में फंसी हुई हैं।''

उन्होंने यह भी कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और वॉशिंगटन को उम्मीद है कि नई दिल्ली आगे चलकर अमेरिकी तेल की खरीद बढ़ाएगा। उनके अनुसार यह अस्थायी व्यवस्था ईरान की ओर से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ने से उत्पन्न स्थिति को कम करने के लिए की गई है। इस घोषणा के बाद अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) ने एक विशेष लाइसेंस जारी किया है जिसके तहत 5 मार्च 2026 तक जहाजों पर लदे रूसी मूल के कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों को भारत तक पहुंचाने और बेचने की अनुमति दी गई है। यह छूट 4 अप्रैल 2026 तक प्रभावी रहेगी।

रूसी क्रूड को भारतीय कंपनियां ही खरीदेंगी

इस दौरान उन जहाजों से जुड़े लेनदेन की भी अनुमति होगी जो विभिन्न प्रतिबंध व्यवस्थाओं के कारण फंसे हुए हैं। इसमें यह साफ तौर पर लिखा गया है कि उक्त रूसी क्रूड को भारतीय कंपनियां ही खरीदेंगी और उन्हें भारत के पोर्ट पर ही उतारा जाएगा। यह भी साफ किया गया है कि उक्त आदेश की आड़ में ईरान से किसी तरह की कोई खरीद-फरोख्त नहीं होनी चाहिए।

भारत ने मार्च, 2022 के बाद से रूस से कच्चे तेल का बड़े पैमाने पर खरीददारी शुरू की है। उसके पहले भारत की कुल जरूरत में रूस से आयातित तेल का सिर्फ 0.2 फीसद हिस्सा होता था जो बाद के तीन वर्षों में बढ़ कर 35-45 फीसद तक पहुंच गया था। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों के प्रतिबंध को दरनिकार कर भारत ने रूस से तेल की खरीद की।

भारत प्रतिदिन खरीदता है 10 लाख बैरल कच्चा तेल

एक समय भारत का रूसी तेल आयात कई महीनों तक प्रतिदिन 15 से 18 लाख बैरल तक पहुंच गया था और रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया था। हालांकि हाल के महीनों में अमेरिकी प्रतिबंधों तथा भुगतान और शिपिंग से जुड़ी जटिलताओं के कारण इसमें कुछ कमी आई है। इसके बावजूद फरवरी 2026 में भी भारत रूस से प्रतिदिन लगभग 10 लाख बैरल से अधिक खरीदता रहा है और मार्च में भी यह स्तर काफी हद तक बना हुआ है।

विपक्षी दलों ने सरकार को घेरा

इसी मुद्दे पर विपक्षी दलों ने सरकार को घेरते हुए कहा है कि यदि भारत रूस से तेल खरीद रहा है तो इसके लिए किसी दूसरे देश की अनुमति लेने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। उनका आरोप है कि सरकार की नीतियों के कारण भारत की ऊर्जा नीति पर बाहरी दबाव का असर दिखाई दे रहा है।

वहीं भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस को अमेरिका के बयानों के बजाय वास्तविक आंकड़ों को देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत फरवरी में भी रूस से प्रतिदिन 10 लाख बैरल से अधिक कच्चा तेल खरीद रहा था और यह खरीद मार्च में भी जारी है। बलूनी ने कहा कि मोदी सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के अनुरूप दुनिया के विभिन्न देशों से तेल खरीदता है और इस संबंध में किसी भी देश के दबाव में निर्णय नहीं लिया जाता।

यूपी के इन जिलों में बनेगा 'सारस सकिर्ट', संरक्षण के साथ इको-टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के राजकीय पक्षी सारस के संरक्षण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए मैनपुरी और इटावा जिलों में 'सारस सकिर्ट' विकसित कर रही है। इस पहल के तहत वेटलैंड क्षेत्रों का संरक्षण करते हुए पर्यटन सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

इन क्षेत्र को जोड़कर तैयार होगा सारस सकिर्ट

वन विभाग के माध्यम से इस परियोजना को विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत मैनपुरी के किर्थुआ, सहस, कुरर जरावां, सौज और समन के साथ इटावा के सरसई नावर तथा परौली रामायण वेटलैंड क्षेत्र को जोड़कर सारस सकिर्ट तैयार किया जाएगा। सारस सकिर्ट के तहत इन वेटलैंड

क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए कई सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इनमें प्रवेश द्वार, व्यू प्वाइंट, डेक और बोटिंग स्पॉट, बटरफ्लाई गाडर्न, सोलर साइट लाइटिंग और इंटरप्रिटेशन सेंटर जैसी व्यवस्थाएं शामिल होंगी। इसके अलावा सूचना केंद्र, ईको-टॉयलेट, पार्किंग, इंटरैक्टिव साइनेज, फूड कियोस्क तथा ओडीओपी और स्मृति चिन्ह की दुकानें भी स्थापित की जाएंगी। इन सुविधाओं के माध्यम से पर्यटक सारस के प्राकृतिक आवास को करीब से देख सकेंगे और वेटलैंड पारिस्थितिकी तंत्र को समझने का अवसर मिलेगा। दुनिया के सबसे लंबे उड़ान भरने वाले पक्षियों में शामिल सारस क्रेन का प्रमुख आवास उत्तर प्रदेश के मैनपुरी, इटावा, एटा और अलीगढ़ के वेटलैंड क्षेत्र हैं।

सरकार का मानना है...

सारस सकिर्ट के विकास से इन वेटलैंड्स का संरक्षण मजबूत होगा और अन्य पक्षियों जैसे ग्रे हेरॉन और ओपन-बिल्ड स्टॉक के लिए भी सुरक्षित वातावरण उपलब्ध होगा। यह पहल भू-जल स्तर को बनाए रखने, जलाशयों के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी सहायक मानी जा रही है। साथ ही इको-टूरिज्म गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय समुदाय को रोजगार और आय के नए अवसर मिलेंगे। सरकार का उद्देश्य है कि सारस को उसके प्राकृतिक वातावरण में सुरक्षित रखते हुए जैव विविधता का संरक्षण किया जाए और प्रदेश में सतत विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाया जाए।

मोगा में दिनदहाड़े सरपंच की गोली मारकर हत्या, पुरानी रंजिश का शक; परिवार ने विधायक पर लगाए मर्डर के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोगा। मोगा के बाघापुराना कस्बे में शुक्रवार को सुबह करीब 11:30 बजे उस समय दहशत फैल गई, जब पुरानी रंजिश के चलते पट्टो हीरा सिंह वाला गांव के निर्दलीय सरपंच को गोलियों से भून दिया गया। बताया जा रहा है कि जब उन पर फायरिंग हुई, तब वे अपनी थार गाड़ी में कोटकपूरा रोड पर पुलिस स्टेशन से थोड़ी ही दूरी पर अपने जिम, सुजान फिटनेस क्लब में जा रहे थे। गोलियों की आवाज़ से कस्बे में दहशत फैल गई। गंभीर रूप से घायल सरपंच को इलाज के लिए पास के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दिनदहाड़े हुई इस दुखद घटना के बाद बाघापुराना और आस-पास के इलाकों में डर का माहौल है। पुलिस ने जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। आस-पास के CCTV कैमरों की जांच समेत कई टीमें बनाई गई हैं। पुलिस के मुताबिक, उन पर 10 से ज्यादा राउंड गोलियां चलाई गईं। दूसरी ओर सूचना मिलने पर मोगा के

एसएसपी अजय गांधी समेत पुलिस के आलाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

पुलिस ने शुरू की हत्या की जांच

एसएसपी अजय गांधी ने बताया कि हमलावर फॉर्च्यूनर गाड़ी पर सवार होकर आए थे। यह मामला आपसी रंजिश से जुड़ा हुआ है। पुलिस की ओर से हमलावरों का पीछा करने के लिए कई टीमें बनाई गई है। आरोपियों की पहचान हो चुकी है। इसी के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। आरोपितों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति को खराब करने वाले किसी भी व्यक्ति को सहन नही किया जाएगा।

क्या था मामला?

मृतक हरविंदर सिंह हैप्पी के चाचा जसविंदर सिंह ने बताया कि उसका गोद लिया हुआ बेटा किसी लड़की के तलाक के केस में उसकी मदद कर रहा था। इस मामले में उसको पहले भी कई बार धमकियां मिली थी। इसी के चलते निहाल सिंह वाला के विधायक मंजीत सिंह बिलासपुर ने उसके बेटे को सुरक्षा भी प्रदान की थी। इसके बावजूद बाघापुराना के विधायक अमृत पाल सिंह सुखानंद उसे धमकाते रहे। वह कहते थे कि उनके मामले में दखल न दे वरना वह उसके खिलाफ एक्शन लेंगे। शुक्रवार को जब हरविंदर सिंह करीब 11:30 बजे अपने जिम में आया तो उन्होंने उस पर अंधाधुंध फायरिंग करवा दी और उनके बेटे को 8-9 गोलियां लगीं। उन्होंने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी है और कहा है कि इन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस केस में इलाके के विधायक का नाम भी दर्ज किया जाए, क्योंकि वह लगातार धमकियां दे रहे थे। हमारी मांग है कि हमें इंसाफ दिया जाए और जब केस दर्ज हो जाएगा, उसके बाद ही हम पोस्टमॉर्टम करवाएंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

फतेहपुर में चालक को आई झपकी, मथुरा से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटी, 13 घायल

बकेवर(फतेहपुर)। मथुरा के जयगुरुदेव आश्रम से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप जहानाबाद चौडगरा मार्ग में आलमपुर मोड़ के पास पलट गई। हादसे में पिकअप सवार 13 लोग घायल हुए हैं। पुलिस का कहना है कि हादसा पिकअप चालक को झपकी आने के कारण हुआ है। सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी जहानाबाद एंबुलेंस से ले जाया गया। यहां से आठ की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पिकअप में लदा सामान भी सड़क पर बिखर गया। जिले के हथगाम व राधा नगर थाना क्षेत्र से होली पर जय गुरुदेव आश्रम मथुरा 14 श्रद्धालुओं को लेकर गई पिकअप शुक्रवार को वापस लौटते समय बकेवर थाने के आलमपुर गांव के पास चालक को झपकी आ गई। इस दौरान पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क में पलट गई। पिकअप में सवार श्रद्धालु सड़क छिटकर दूर-दूर गिरे।

इससे हथगाम थाने के कुम्हानपुरवा निवासी फूलचंद्र उनकी पुत्री हिमांशी, कमला देवी, छेदीलाल, शिवबरन, निर्मला देवी, छेदी का पुरवा गांव निवासी पतरावां, इटौली गांव के गोवर्धन, फूलचंद्र, सुमेर सिंह, पोखीपुर गांव निवासी राम गोपाल व राधा नगर थाने के मलाका गांव निवासी आशा देवी व गुड़िया घायल हुए हैं। पिकअप चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने एंबुलेंस व निजी वाहन से सभी घायलों को सीएचसी जहानाबाद में भर्ती कराया। यहां घायलों में आठ लोगों में फूलचंद्र, हिमांशी, कमला देवी, शिवबरन, निर्माला, पतरावन, आशा देवी व गुड़िया को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। थाना प्रभारी तुषार श्रीवास्तव ने बताया कि घायलों को इलाज चल रह है। यह सभी मथुरा जय गुरुदेव आश्रम से वापस पिकअप से लौट रहे थे। इसकी दौरान चालक झपकी आने से हादसा हो गया।

हाथरस में दर्दनाक हादसा, त्योहार की खुशियां मातम में बदलीं; थार सवार N S G कमांडो की सड़क दुर्घटना में मृत्यु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सादाबाद (हाथरस)। पल्हावत गांव के पास शुक्रवार तड़के सड़क हादसे में मथुरा निवासी एनएसजी कमांडो योगेंद्र सिंह की मृत्यु हो गई। उनके साथ थार कार में सवार तीन दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें आगरा उपचार के लिए भेजा गया है। हादसा शुक्रवार सुबह उस समय हुआ जब वे होली खेलकर अपने दोस्त के यहां से लौट रहे थे। राया के गांव गुडेरा में इस घटना से मातम फैल गया है। राया के गांव गुडेरा निवासी 32 वर्षीय योगेंद्र सिंह एनएसजी में कमांडो थे। वह अपने साथी विष्णु, सत्यवीर और जितेंद्र के साथ होली खेलने गए थे।

सादाबाद क्षेत्र के गांव कजरौठी में एक वाहन ने उनकी थार कार को ओवरटेक किया। इसके कारण उनकी थार कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में कमांडो योगेंद्र सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई। विष्णु नेवी में कार्यरत हैं, जबकि सत्यवीर और जितेंद्र गांव में रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मथुरा ले जाया गया। हादसे के बाद थार कार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। गांव नगौड़ा के प्रधान नीरज सोलंकी ने बताया कि योगेंद्र वर्ष 2010 में सेना में भर्ती हुए थे। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग पठानकोट में थी। योगेंद्र 25 दिन पहले ही होली की छुट्टी पर घर आए थे। 31 मार्च को उनके सेना में 15 साल पूरे होने थे। उनके बड़े भाई धर्मेंद्र ने बताया कि योगेंद्र तीनों भाइयों में सबसे छोटे थे।

कमांडो की पत्नी व बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल

कमांडो योगेंद्र की पत्नी एकता और उनके दो छोटे बच्चे हैं। उनके पांच साल का बेटा और चार साल की बेटी है। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सन्नाटा पसर गया। योगेंद्र के घर पर ग्रामीणों की भारी भीड़ एकत्रित होने लगी।

मिलिट्री हास्पिटल में उपचार के दौरान कमांडो की मृत्यु

हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सादाबाद भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। योगेंद्र सिंह को मिलिट्री हास्पिटल मथुरा में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

'झूठे आंकड़ों से भ्रमित करती है सरकार', आपराधिक घटनाओं को लेकर अखिलेश ने भाजपा पर बोला हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आपराधिक घटनाओं को लेकर प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार का कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस का दावा झूठा साबित हो चुका है। सरकार और मुख्यमंत्री झूठे आंकड़ों से जनता को भ्रमित करते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि प्रदेश में कोई भी सुरक्षित नहीं है। शुक्रवार को पार्टी की ओर से जारी बयान में सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदेश में हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। बुधवार को जौनपुर में अनुबंधित बस के चालक ललई यादव की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। बुलंदशहर में एक मेले में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ। आजमगढ़ में दुष्कर्म पीड़िता की हत्या कर दी गयी। लखनऊ में महिला की चेन बाइक सवार बदमाशों ने लूट ली। चंदौली में फार्म हाउस में सो रहे युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। अपराधियों में कानून और पुलिस का डर नहीं है। भाजपा सरकार सो रही है। आपराधिक तत्वों और दबंगों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। वर्ष 2027 में जनता, भाजपा की सरकार को हटा देगी।

दबंगों से परेशान चौकीदार ने घर पर लिखा 'पलायन कर रहा हूं, मकान बिकाऊ है'

- **पानी का रास्ता रोकने से घर के बाहर फैला है कीचड़, कई बार कर चुका शिकायत**

गांव के ही कुछ लोगों पर पानी का रास्ता बंद करने का लगाया चौकीदार ने आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर। दबंगों से परेशान होकर गांव के एक चौकीदार ने अपने घर की दीवारों और दरवाजे पर पलायन कर रहा हूं, मकान बिकाऊ है और अपना मोबाइल नंबर भी लिखकर विरोध जताया है। पीड़ित चौकीदार का आरोप है कि वह चौकी से लेकर थाने और थाने से लेकर एसडीएम मौदहा तक शिकायत कर चुका है। लेकिन उसे न्याय नहीं मिला। जिसके कारण उसे ऐसा करना पड़ा, यदि उसकी सुनवाई नहीं हुई तो वह परिवार समेत गांव छोड़कर चला जाएगा। थाना बिवांर के ग्राम सभा मसगवां के मजरा खड़ेही निवासी पुष्पेंद्र कुमार थाना बिवांर में चौकीदार की सेवा देकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। पीड़ित चौकीदार ने दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके घर के सामने गांव के पानी की निकासी होती है। गांव के ही कुछ लोगों ने जानबूझकर उस पानी की निकासी रोक दी है, जिससे उसके मकान के सामने पूरे रास्ते पर गांव का गंदा पानी भरा हुआ है, जिससे आने जाने पर कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है तथा गंदगी होने से संक्रमण फैल रहा है। आए दिन उसके परिवार का कोई न कोई सदस्य बीमार भी हो रहा है। पीड़ित ने पानी के निकासी के लिए उचित कार्रवाई करने की मांग उच्चाधिकारियों से की, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई, जिससे परेशान होकर उसने अपने घरों की दीवारों और दरवाजों सभी जगह दबंगों से परेशान होकर पलायन कर रहा हूं, यह मकान बिकाऊ है, ग्राम सभा मसगवां, मजरा खड़ेही के अलावा अपना मोबाइल नंबर भी लिखा है। चौकीदार द्वारा किया गया यह विरोध गांव के लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, लेकिन अभी तक जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं हैं, चौकी में सूचना दी गई होगी। प्रभारी डीपीआरओ सुरेश कुमार धुरिया ने बताया कि उनके पास इस संबंध में कोई शिकायती पत्र नहीं आया है। यदि ऐसा कुछ है तो वह तत्काल मौके पर टीम भेजकर सफाई कराएंगे। वहीं एसडीएम मौदहा करनवीर सिंह ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं हैं यदि ऐसा कोई मामला है तो वह दिखवाते हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच फैली अफवाह से सीतापुर के पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी लाइनें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। अमेरिका-इजरायल और ईरान के युद्ध के बीच भारत में पेट्रोल और गैस की कमी की उड़ती खबरों के बीच सीतापुर में लोगों ने पेट्रोल पंपों की ओर दौड़ लगा दी। देखते-देखते लगभग सभी पंपों पर वाहनों की लंबी लाइनें लग गई, इनमें भी अधिकांश दो-पहिया वाहन थे। सीतापुर में शुक्रवार को लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया से मिली खबरों का भरोसा किया और वाहनों में ईंधन लेने पेट्रोल पंपों की ओर दौड़ पड़े। इनको सूचना मिली कि होर्मुज स्ट्रेट्स से संभावित आपूर्ति में कमी आ गई है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया पर हार्मुज की खाड़ी (ईरान और ओमान के बीच जलमार्ग, जिससे पेट्रो और गैस की आपूर्ति होती है) बंद होने की खबरों के बीच लोगों में प्रेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति को लेकर सीतापुर के लोगों में अनिश्चितता का भाव उत्पन्न हो गया है। इसको लेकर शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोगों ने पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर

वाहनों की टंकी फुल कराने प्रयास किया। पंपों पर भीड़ लग गई।

सुबह तक सबकुछ सामान्य चल रहा था। दोपहर में एकाएक इंटरनेट मीडिया पर हार्मुज की खाड़ी के बंद होने की खबरें चलने लगी। इसी जलमार्ग से देश में खपत होने वाले पेट्रो पदार्थों और गैस का बड़ा हिस्सा आता है। खबरें देख लोग घबड़ा गए। बाइक और कार लेकर पेट्रोल पंप की ओर दौड़ पड़े। लालबाग पेट्रोल पंप बाइक में तेल भरवाने गए आर्यनगर के तुषार मिश्र ने कहा कि जिस तरह से अमेरिका और इजराइल ईरान पर हमला कर रहे हैं और ईरान पलटवार कर रहा है। इससे निकट भविष्य में युद्ध थमने वाला नहीं दिखता। इसलिए टंकी फुल करवा लें, कम से कम कुछ दिन तक तो आराम से काम चल जाएगा। इसी बीच जिलाधिकारी डा. राजा गणपति आर. ने सीतापर के साथ ही देश में पेट्रो पदार्थों की किसी भी तरह की कमी न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दें। जिले, प्रदेश और देश में पेट्रो पदार्थों की कमी नहीं है। तेल को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं है। पर्याप्त मात्रा में तेल उपलब्ध है। अफवाहों में न पड़ें। जरूरत भर ही तेल खरीदें।

पेट्रोलियम कंपनियां बराबर स्वीकार कर रही डिमांड

प्रशासन के साथ ही सीतापुर डिस्ट्रिक्ट पेट्रोलियम एसोसिएशन ने भी पेट्रो पदार्थों और गैस की कमी से इन्कार किया है। एसोसिएशन के महामात्री दिनेश अग्रवाल ने बताया कि सभी पेट्रोलियम कंपनियां डिमांड स्वीकार कर रही हैं। इसके सापेक्ष आपूर्ति भी हो रही है। कहीं कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने बताया कि जिले में 240 पेट्रोल पंप हैं। प्रतिदिन 100 से अधिक टैंकर आते हैं। टैंकर आ रहे है और पंपों पर तेल बिक रहा है। बताया, होली के चलते महमूबादाबाद-बाराबंकी सीमा के कुछ पेट्रोल पंपों पर तेल नहीं पहुंच पाया था।

किसान को 150 लीटर से अधिक नहीं मिलेगा डीजल :पेट्रोल पंपों पर भीड़ उमड़ने के बाद उपजिलाधिकारी महमूदाबाद बीके सिंह पेट्रोल पंप संचालकों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने पंप संचालकों से किसानों को 150 लीटर से अधिक डीजल देने पर रोक लगा दी। गौरतलब है कि यूएस-इजरायल और ईरान के युद्ध के बीच होर्मुज स्ट्रेट्स में फंसे एनर्जी सोर्स को बड़ी समस्या के रूप में देखा जा रहा है। शुक्रवार को केंद्र सरकार के हवाले से बताया गया हि देश में क्रूड ऑयल, ऑयल प्रोडक्ट्स और एसपीजी का भंडार अच्छी स्थिति में है, जो कि होर्मुज स्ट्रेट्स में फंसे एनर्जी सोर्स से कहीं ज्यादा हैं। मौजूदा स्टॉक के हिसाब से हम अच्छी स्थिति में हैं। हम दूसरे इलाकों से अपनी सप्लाई बढ़ाने जा रहे हैं और होर्मुज स्ट्रेट्स से सप्लाई की कमी को पूरा करेंगे।

तेल, तनाव और विकास दर: 'युद्ध-भय' का भारतीय परिदृश्य

[क्या हर युद्ध हमारी अर्थव्यवस्था की परीक्षा बन जाएगा?]
[भय से नीति-सुधार तक: क्या बदल पाएगा भारत अपना आर्थिक पैटर्न?]

भारत का 'युद्ध-भय' सिंड्रोम अब किसी मनोवैज्ञानिक शब्दकोश की परिभाषा भर नहीं, बल्कि 21वीं सदी के भारत की आर्थिक नब्ज बन चुका है। जैसे ही पश्चिम एशिया में बारूद सुलगता है, मुंबई के दलाल स्ट्रीट पर घबराहट छा जाती है। मार्च 2026 में ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष ने इस आशंका को चरम तक पहुँचा दिया, जब ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर के ऊपर निकल गया और होर्मुज स्ट्रेट पर जहाज़ों की लंबी कतारें दिखने लगीं। वैश्विक एजेंसियों की रिपोर्टों के मुताबिक 4.5 ट्रिलियन डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था, जो हाल तक नियंत्रित महंगाई और तेज़ वृद्धि का उदाहरण मानी जा रही थी, अचानक बाहरी झटकों से डगमगाने लगी। यह महज आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं; यह सामूहिक मानस का संकट है–निवेशक जोखिम समेटते हैं, रुपया दबाव झेलता है और आम उपभोक्ता को पेट्रोल पंप पर मिलता बिल आने वाले कल की चिंता जता देता है। वैश्वीकरण की चमक के पीछे छिपी यह असुरक्षा हर बार सामने आ जाती है। इस 'युद्ध-भय' की जड़ें नई नहीं हैं। 1991 का खाड़ी संकट, जब इराक ने कुवैत पर चढ़ाई की, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को लगभग खाली कर गया और आर्थिक उदारीकरण का द्वार मजबूरी में खुला। 1973 के योम किप्पुर युद्ध ने तेल को हथियार बना दिया था और तब भी भारत ने आयात-निर्भरता की भारी कीमत चुकाई। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कच्चा तेल 120 डॉलर तक जा पहुँचा, महंगाई 7 प्रतिशत से ऊपर निकली और मौद्रिक सख्ती बढ़ानी पड़ी। हर बार पैटर्न एक-सा रहा–कहीं दूर युद्ध, और यहाँ विकास दर पर प्रहार। इतिहास लगातार चेताता रहा कि ऊर्जा, उर्वरक और आपूर्ति श्रृंखलाओं में अत्यधिक बाहरी निर्भरता हमें असुरक्षित करती है, फिर भी संकट टलते ही हम सामान्यता के भ्रम में लौट आते हैं। यही चूक 'युद्ध-भय' को स्थायी मनःस्थिति में बदल देती है। 2026 का पश्चिम एशियाई संघर्ष इसी पैटर्न का समकालीन रूप है। भारत के लगभग 17 प्रतिशत निर्यात उसी क्षेत्र की ओर जाते हैं और एक करोड़ से अधिक प्रवासी वहाँ से रेमिटेंस भेजते हैं। यदि तनाव लंबा चला, तो तेल 100 डॉलर के पार निकल सकता है, जिससे चालू खाते का घाटा फैलेगा और विकास की गति पर दबाव बढ़ेगा। लॉजिस्टिक्स लागत में उछाल और बीमा प्रीमियम में वृद्धि व्यापारिक मार्जिन को निगल जाती है। वित्तीय बाजारों में जोखिम-प्रतिकूलता बढ़ती है और पूंजी उभरते बाजारों से सुरक्षित ठिकानों की ओर सिमटती है। इस पूरी प्रक्रिया में भारत की 'स्वीट स्पॉट' अर्थव्यवस्था–जहाँ महंगाई काबू में और विकास संतुलित था–अचानक असंतुलन की तरफ झुक जाती है। युद्ध भले सीमाओं से दूर हो, पर ऊर्जा मार्गों और पूंजी प्रवाह के जरिये वह हमारे बजट और जेब पर दस्तक दे देता है।

ऊर्जा क्षेत्र इस सिंड्रोम की सबसे नाजुक नस है। भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा होर्मुज मार्ग से गुजरता है। रणनीतिक भंडार सीमित समय तक ही सहारा दे सकते हैं; लंबा व्यवधान उद्योग, परिवहन और कृषि की लागत बढ़ा देगा। ईंधन महँगा होता है तो ट्रकों का भाड़ा बढ़ता है, कारखानों की लागत चढ़ती है और अंततः किराने की दुकानों पर दाम बढ़ जाते हैं। यही क्रम 'ऊर्जा झटके' को 'मुद्रास्फीति तूफान' में बदल देता है। विकसित भारत 2047 का स्वप्न सस्ती और स्थिर ऊर्जा पर आधारित है; यदि हर वैश्विक टकराव पर हमारी ऊर्जा सुरक्षा हिलती है, तो यह सपना बार-बार कसौटी पर होगा। विविधीकरण–चाहे नवीकरणीय ऊर्जा हो या नए आपूर्तिकर्ता–अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

महंगाई और रुपया इस भय के सबसे स्पष्ट संकेतक हैं। तेल में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी चालू खाते के घाटे को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा देती है और आयात बिल को फुला देती है। रुपया दबाव झेलता है तो विदेशी ऋण महँगा हो जाता है और कंपनियों की बैलेंस शीट प्रभावित होती है। केंद्रीय बैंक को ब्याज दरों के माध्यम से संतुलन साधना पड़ता है, जिससे कर्ज महँगा और निवेश धीमा पड़ सकता है। अंततः इसका भार आम नागरिक उठाता है–ईंधन, खाद्य और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं। 'युद्ध-भय' इसलिए भी गहरा है क्योंकि यह अदृश्य कर की तरह काम करता है; बिना किसी घरेलू नीति-चूक के, वैश्विक संघर्ष हमारी क्रय शक्ति को कम कर देता है।

पूंजी बाजार इस मनोविज्ञान को सबसे तेजी से प्रतिबिंबित करते हैं। अनिश्चितता बढ़ते ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेश सिमटता है, इक्विटी सूचकांक गिरते हैं और नई परियोजनाओं के लिए पूंजी जुटाना कठिन हो जाता है। भारत का बाजार आकार भले पाँच ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुँच गया हो, पर तेल-आधारित झटके इसे वैश्विक साथियों से पीछे धकेल सकते हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी जोखिम आकलन के नए मानकों पर कसा जाता है। जब वैश्विक फंड प्रबंधक भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम बढ़ाते हैं, तो उभरती अर्थव्यवस्थाएँ पहले झटका खाती हैं। एक युद्ध की खबर हजारों अंकों की गिरावट में बदल जाती है और विकास कथा पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। यही वह क्षण है जब 'युद्ध-भय' आर्थिक वास्तविकता का रूप ले लेता है।

आखिर हर संकट अपने भीतर समाधान का बीज भी छिपाए रहता है। यह परिदृश्य केवल असहायता का चित्र नहीं, बल्कि तैयारी और परिवर्तन की पुकार है। सरकारें ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण, रणनीतिक भंडार के विस्तार और नवीकरणीय निवेश के माध्यम से जोखिम सीमित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कूटनीतिक संतुलन भी अनिवार्य है, ताकि सभी पक्षों के साथ ऊर्जा और व्यापारिक रिश्ते सुरक्षित रह सकें। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से दूरी नहीं, बल्कि लचीले वैश्विक एकीकरण की समझदारी भरी नीति है। यदि हम इतिहास से सबक लेकर आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करें, घरेलू विनिर्माण को प्रतिस्पर्धी बनाएं और वित्तीय अनुशासन बनाए रखें, तो 'युद्ध-भय' स्थायी नियति नहीं रहेगा। अन्यथा हर वैश्विक टकराव हमारी अर्थव्यवस्था की नसों पर दबाव बनाता रहेगा। यह सिंड्रोम चेतावनी भी है और अवसर भी–चुनाव हमारा है कि हम भय में सिमटें या उसे नीतिगत सुधार की शक्ति में रूपांतरित कर दें।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

त्रासदी : युद्ध की विभीषिका के चक्रव्यूह में फंसती दुनिया

विश्व हिंसा और अशांति के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के बड़े भूभाग पर अशांति और ताकतवर देशों की अराजकता बढ़ रही है। कहीं सीधी जंग में मिसाइल हमले और एयरस्ट्राइक की जा रही हैं तो कहीं प्रॉक्सीवार के जरिए टकराव हो रहा है।युद्ध मानव सभ्यता के साथ पर्यावरण के लिए भी हानिकारक होता है। विस्फोट, रासायनिक हथियार और भारी सैन्य गतिविधियां प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर देती हैं। भूमि बंजर हो जाती है और जल स्रोत प्रदूषित हो जाते हैं।

बता देंकि 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं। इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रमणों में उलझी हुई हैं। रूस - यूक्रेन युद्ध, इजराएल - हमास युद्ध और अब अमेरिका - इजराएल बनाम ईरान युद्ध का संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्ध का दंश सीमाओं से परे जाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और शांति को बुरी तरह प्रभावित करता है।

इसे हाल ही में अमरीका और इसराईल द्वारा ईरान के विरुद्ध शुरू की गई भारी सैन्य कार्रवाई ने और बढ़ा दिया है। अब तक ईरान में ही इस युद्ध के कारण 555 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस जंग में हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है. ईरानी रेड क्रेसेंट सोसाइटी के मुताबिक, ईरान में 780 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं. इनमें कथित तौर पर एक स्कूल पर हुए अमेरिका-इसराइल के हमले में मारी गई 165 लड़कियां और स्टाफ भी शामिल हैं। युद्ध के कारण शरणार्थियों की समस्या भी उत्पन्न होती है जो अन्तराष्ट्रिय स्तर पर मानवीय संकट का रूप ले लेती है। यह भी विडंबना है की युद्ध प्रायः सत्ता, वर्चस्व और वैचारिक मतभेदों के कारण होते हैं जबकि युद्ध का कीमत आम जनता चुकाती है। आज के परमाणु और अत्याधुनिक हथियारों के युग में युद्ध का अर्थ केवल सीमित संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक विनाश हो सकता है।

विश्व भर में जारी कुछ अन्य युद्धों का सिलसिला जारी है

आपको बता दें 2014 से जारी 'यमन' के गृह युद्ध में लाखों लोग प्रभावित और हजारों लोगों की मौतें हो चुकी हैं। यह गृह युद्ध यमन के पूर्व और वर्तमान राष्ट्रपतियों के वफादार गुटों के बीच चल रहा है। 'यमन' की राजधानी 'सना' स्थित 'होऊथी' योद्धाओं जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह' के वफादार योद्धाओं का समर्थन प्राप्त है, और 'अदन' में स्थित 'मंसूर हादी' की सरकार के बीच यह युद्ध चल रहा है।' 21 फरवरी, 2026 को 'होऊथी' सेनाओं द्वारा राजधानी सना में हादी को उनके आवास पर नजरबंद करने के एक महीने बाद ही हादी वहां से भाग निकलने में सफल रहे और अदन आ गए और कहा कि होऊथी अधिग्रहण अवैध था और वह अब भी यमन के संवैधानिक राष्ट्रपति हैं।

उधर इथोपिया में 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री 'अबी अहमद' द्वारा विपक्षी पार्टी एल.पी.टी.एफ. के विरुद्ध की गई सैन्य कार्रवाई के कारण शुरू हुए गृह युद्ध से लाखों लोग विस्थापित हुए और सैंकड़ों लोग मारे गए। हालांकि नवम्बर, 2022 में हुए शांति समझौते के बाद झगड़े कम हुए हैं परंतु तनाव अभी बना हुआ है।

म्यांमार में 1 फरवरी, 2021 को वहां के मिलिट्री 'जुंटा' ने 'आंग सान सू की' की सरकार का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके तुरंत बाद ही 'जुंटा' कहलाने वाले सैन्य शासकों का भी विरोध शुरू हो गया और इसने एक भीषण गृहयुद्ध का रूप ले लिया है। इस खूनी गृहयुद्ध में पिछले 5 वर्षों के दौरान 73,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

24 फरवरी, 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पांचवें वर्ष में दाखिल हो चुका है। इस युद्ध में अंतर्राष्ट्रीय अनुमानों के अनुसार दोनों पक्षों के सैनिकों और नागरिकों को मिलाकर लाखों लोगों की मौत तथा लाखों लोग घायल और विस्थापित हुए हैं।

7 अक्तूबर, 2023 को इसराईल और फिलिस्तीन के बीच जमीन, राजनीतिक स्वामित्व और धार्मिक दावों से सम्बन्धित दशकों पुराना विवाद हमास द्वारा इसराईल पर बड़ा हमला किए जाने के बाद अधिक तेजी से भड़क उठा। दोनों पक्ष एक-दूसरे की भूमि पर कब्जे और एक-दूसरे पर परस्पर सुरक्षा खतरे के आरोप लगाते आ रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार इसराईली हमलों के कारण गाजा का बड़ा हिस्सा बुरी तरह तबाह हो चुका है जिसके पुनर्निर्माण में 20 वर्ष से भी अधिक समय लगने का अनुमान है। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद तेज हुआ है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से आतंकी संगठन पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और इन हमलों में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं। अफ्रीकी देश 'सुडान' भी 'सूडानी सशस्त्र सेनाओं' (एस.ए.एफ.) तथा अर्द्धसैनिक 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' (आर.एस.एफ.) के बीच 2023 से जारी युद्ध के कारण इतिहास के सर्वाधिक उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा है।

इस कारण यहां की जनता पूरी तरह तबाह और बर्बाद हो गई है और उसकी मुसीबतों को गरीबी आदि ने और भी बढ़ा दिया है तथा लगभग 2 लाख 80 हजार लोग अपने घर छोड़ कर दूसरे स्थानों को जा चुके हैं।

उक्त सारे संघर्ष वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। कुल मिला कर आज विभिन्न देशों के नेताओं की सत्ता की भूख और निजी स्वार्थों के कारण दुनिया 'बारूद के ढेर' पर बैठी नजर आ रही है। युद्ध की विभीषिका हमें यह सिखाती है की हिंसा कभी समाधान नहीं हो सकती। मानवता का वास्तविक विकास शांति, सहयोग और पारस्परिक सहयोग में ही निहित है। यदि विश्व समुदाय ने इतिहास से सबक नहीं लिया, भविष्य और भी भयावह हो सकता है। समय की मांग है की राष्ट्र अपने मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाएँ और विश्व शांति को सर्वोपरि रखें। यदि अभी भी उन्होंने सबक न सीखा तो आजकल के हथियार पहले से बेहतर होने के कारण तीसरे विश्व युद्ध की स्थिति में नुक्सान पिछले विश्व युद्धों में हुए नुक्सान से कहीं अधिक होगा और मानवता त्राहि-त्राहि कर उठेगी।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

अमेरिका ईरान इजरायल महायुद्ध, खोमनेई की हत्या के बाद हिंसा का काला अध्याय

वर्तमान परिदृश्य में वैश्विक स्तर पर धार्मिक अतिवाद औपनिवेशिक विस्तारवाद के कारण कई देशों के मध्य युद्ध तथा हिंसा का तांडव मचा हुआ है अमेरिका इजरायल और ईरान युद्ध ने मानवता की हत्या की तबाही मचाई हुई है। अरबो अरबो रुपए का नुकसान और लगभग 3000 लोगों की मौत ने दुनिया को वैश्विक युद्ध के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दियाद्य ईरान के अयातुल्लाह घूमने की हत्या ने अमेरिका और इजरायल की मनमानी को विश्व के सामने एक भयानक तस्वीर लाकर खड़ी कर दी जो वैश्विक शांति, मानवता, सौहार्द के लिए सर्वथा बहुत ज्यादा घातक एवं भविष्य में अप्रिय परिणाम देने वाले हैं।

धर्म की अवधारणा परोपकार, जनकल्याण, अहिंसा तथा मानवता को निरंतर आगे बढ़ाना है। जबकि अतिवाद किसी मान्यता विचार व अवधारणा को जबरन लागू करने की प्रक्रियागत सोच है। अतिवाद ही किसी भी विचारधारा या किसी पंथ को अति होने तक ले जाना है। अतिवाद किसी भी धार्मिक और राजनीतिक विषय में ऐसी विचारधारा के लिए प्रयुक्त होता है जो समाज की मुख्यधारा के नजरिए को स्वीकार नहीं करती है। यह एक ऐसा राजनीतिक अथवा धार्मिक सिद्धांत है जो अमर्यादित नीति का पक्षधर है तथा इसमें मध्यस्थता की कोई गुंजाइश भी नही होतीहै। यह धर्म की ओर एवं कठोर मान्यताओं को लोगों पर जबरदस्ती थोपने का कार्य करता है, तथा हिंसा ,हत्या बलात्कार आदि को सर्व मान्य रूप से सही ठहराता है। भारत में धार्मिक विवाद का असर युवाओं पर सबसे ज्यादा पड़ता है क्योंकि युवा मन अपरिपक्व तथा किसी विचारधारा में ढला हुआ नहीं रहता और भारत में 65% 35 साल से कम उम्र के युवा निवासरत हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश हैद्य स्वतंत्रता के बाद से भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि स्थान दिया गया हैद्य देश की भौगोलिक तथा जनसंख्यात्मक विशालता में कुछ तत्व सांप्रदायिक हिंसा एवं अराजकता के परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकतें हैं, पर भारतीय लोकतंत्र की महानता एवं विशालता है कि इससे संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, पर यह तय है कि सांप्रदायिक हिंसा एवं धार्मिक कट्टरता से लोकतंत्र की अवधारणा थोड़ी दिग्भ्रमित जरूर होती है पर इसकी मजबूती ना तो पहले कम हुई है और ना ही भविष्य में होने की कोई गुंजाइश ही है। हिंसा ,विवाद किसी भी बात का कोई हल नहीं। यह लोकतंत्र के लिए एक धब्बे के समान है। किसी भी देश में लोकतंत्र की आम धारणा आपसी सद्भाव और समभाव को लेकर आधारभूत रचनात्मक रूप से की गई है। विश्व के शांति प्रस्तावक भारत देश में हिंसा और हिंसक आंदोलन की कोई जगह नहीं एवं यह किसी धार्मिक, सामाजिक अथवा आर्थिक असहमति का परिणाम तो कतई नहीं हो सकती है।भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक, प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है।वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैंद्य देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू , मुस्लिम, सिक्ख, इसाई जातीय संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह

पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी।

आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

संजीव ठाकुर

नीतीश कुमार का राज्यसभा की ओर कदम अनुभव, स्वेच्छा और लोकतांत्रिक मर्यादा का सम्मान

बिहार की राजनीति में लंबे समय से एक प्रमुख और निर्णायक भूमिका निभाने वाले नीतीश कुमार ने जब राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की घोषणा की तो स्वाभाविक रूप से राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई। मुख्यमंत्री के रूप में दो दशक से अधिक समय तक बिहार की राजनीति को दिशा देने वाले नेता का यह निर्णय कई लोगों के लिए चौंकाने वाला जरूर हो सकता है, किंतु इसे किसी दबाव, साजिश या मजबूरी से जोड़ना वास्तविकता से कोसों दूर प्रतीत होता है। स्वयं नीतीश कुमार ने अपने सार्वजनिक संदेश में स्पष्ट शब्दों में कहा है कि संसदीय जीवन की शुरुआत से ही उनकी यह इच्छा रही है कि वे बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ-साथ संसद के भी दोनों सदनों के सदस्य बनें। इसी इच्छा की पूर्ति के क्रम में उन्होंने इस बार राज्यसभा का सदस्य बनने की इच्छा व्यक्त की है। जब कोई अनुभवी और परिपक्व नेता स्वयं अपनी इच्छा सार्वजनिक रूप से व्यक्त करता है तो उस पर संदेह करना या उसके निर्णय को किसी राजनीतिक दबाव का परिणाम बताना न केवल अनुचित है बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भी विरुद्ध है।

राज्यसभा के लिए नामांकन के समय उनके साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे, जिससे यह भी स्पष्ट होता है कि राष्ट्रीय स्तर पर भी उनके अनुभव और योगदान को महत्व दिया जा रहा है। यह मानना गलत नहीं होगा कि बिहार में वर्षों तक शासन चलाने वाले नेता का अनुभव संसद के उच्च सदन में देश की नीतियों और चर्चाओं को दिशा देने में उपयोगी साबित हो सकता है। राज्यसभा ऐसे ही अनुभवी नेताओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच माना जाता है जहां वे अपने दीर्घ राजनीतिक अनुभव के आधार पर राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार प्रस्तुत करते हैं और नीति निर्माण में योगदान देते हैं। इसलिए नीतीश कुमार का यह निर्णय किसी प्रकार से असामान्य या अप्रत्याशित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि उनके इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने कई प्रकार के आरोप लगाए। विशेष रूप से बिहार के विपक्ष के प्रमुख नेतातेजस्वी यादव ने यह कहा कि भाजपा ने नीतीश कुमार को 'हाइजैक' कर लिया है और उन्हें दबाव में राज्यसभा भेजा जा रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रीय जनता दल के कुछ नेताओं ने भी इसे भाजपा के दबाव का परिणाम बताया। लेकिन यह आरोप उस समय स्वतः ही कमजोर पड़ जाते हैं जब स्वयं नीतीश कुमार अपने शब्दों में स्पष्ट कर चुके हैं कि यह निर्णय उन्होंने अपनी इच्छा से लिया है और वह बिहार की नई सरकार को सहयोग और मार्गदर्शन देते रहेंगे। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी नेता के अपने निर्णय को स्वीकार करना और उसका सम्मान करना ही स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति की पहचान होती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि नीतीश कुमार ने अपने संदेश में बिहार की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यह कहा कि पिछले दो दशकों से अधिक समय से जनता के विश्वास और समर्थन की ताकत के कारण ही उन्होंने राज्य की सेवा की है और भविष्य में भी यह संबंध बना रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विकसित बिहार बनाने का संकल्प पहले की तरह कायम रहेगा और जो नई सरकार बनेगी उसे उनका पूरा सहयोग मिलेगा। यह वक्तव्य स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि वह बिहार की राजनीति से दूर नहीं हो रहे हैं बल्कि एक नई भूमिका में राज्य और देश की सेवा करना चाहते

हैं। दूसरी ओर कुछ स्थानों पर जदयू कार्यकर्ताओं की नाराजगी और प्रदर्शन की खबरें भी सामने आईं। पटना स्थित जदयू कार्यालय में कुछ कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी और तोड़फोड़ भी की। मुख्यमंत्री आवास के बाहर भी कुछ कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया और भावनात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। यह स्वाभाविक है कि जिन कार्यकर्ताओं ने वर्षों तक किसी नेता के साथ राजनीतिक संघर्ष किया हो, उनके मन में भावनात्मक लगाव होता है और अचानक आए किसी परिवर्तन से वे विचलित हो सकते हैं। लेकिन लोकतांत्रिक राजनीति में निर्णय केवल भावनाओं से नहीं बल्कि व्यापक दृष्टि और राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं। इसलिए कार्यकर्ताओं और समर्थकों को भी इस बात को समझना चाहिए कि नेतृत्व के स्तर पर लिए गए निर्णय अक्सर व्यापक राजनीतिक दृष्टिकोण और भविष्य की रणनीति का हिस्सा होते हैं।

विपक्ष द्वारा इस निर्णय को लेकर जो भ्रम और शंकाएं पैदा करने की कोशिश की जा रही हैं, वे भी वस्तुतः राजनीतिक उहापोह से अधिक कुछ नहीं लगतीं। जब स्वयं नेता यह कह रहा है कि वह स्वेच्छा से राज्यसभा जाना चाहता है और नई सरकार को सहयोग करेगा, तब यह कहना कि उसे जबरन भेजा जा रहा है या किसी राजनीतिक दबाव में यह फैसला लिया गया है, वास्तविकता के बजाय राजनीतिक बयानबाजी अधिक प्रतीत होती है। लोकतंत्र में आरोप लगाना आसान होता है, लेकिन किसी निर्णय के पीछे के तथ्य और परिस्थितियों को समझना कहीं अधिक आवश्यक होता है।

नीतीश कुमार का राजनीतिक जीवन यह बताता है कि उन्होंने हमेशा परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिए हैं और बिहार की राजनीति को कई बार नई दिशा दी है। एक प्रशासक के रूप में उन्होंने राज्य में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण पहल कीं। यही कारण है कि बिहार की राजनीति में उनका स्थान विशेष माना जाता है। ऐसे में यदि वह अपने राजनीतिक जीवन के अगले चरण में संसद के उच्च सदन में जाकर राष्ट्रीय स्तर पर योगदान देना चाहते हैं तो इसे एक स्वाभाविक और सकारात्मक कदम के रूप में देखा जाना चाहिए।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह निर्णय कई मायनों में महत्वपूर्ण हो सकता है। राज्यसभा में अनुभवी नेताओं की उपस्थिति से न केवल विधायी प्रक्रिया को मजबूती मिलती है बल्कि राज्यों की आवाज भी प्रभावी ढंग से राष्ट्रीय मंच तक पहुंचती है। बिहार जैसे बड़े और महत्वपूर्ण राज्य के लिए यह लाभकारी हो सकता है कि उसका एक अनुभवी नेता संसद में सक्रिय भूमिका निभाए।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यक्तिगत निर्णयों और संवैधानिक प्रक्रियाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। राज्यसभा चुनाव एक संवैधानिक प्रक्रिया है और यदि कोई नेता उस प्रक्रिया के तहत चुनाव लड़ने का निर्णय लेता है तो उसका विरोध नारेबाजी, तोड़फोड़ या असंवैधानिक तरीकों से करना उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र की ताकत संवाद और तर्क में होती है, न कि हंगामे और आरोपों में।

अंततः यह कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिए नामांकन उनके राजनीतिक जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह निर्णय उन्होंने स्वयं अपनी इच्छा से लिया है और उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि बिहार की नई सरकार को उनका पूरा सहयोग रहेगा। ऐसे में विपक्ष द्वारा फैलाया जा रहा भ्रम और शंकाएं निराधार प्रतीत होती हैं। लोकतांत्रिक परंपरा और राजनीतिक शालीनता की मांग यही है कि इस निर्णय का सम्मान किया जाए और इसे एक अनुभवी नेता के स्वाभाविक राजनीतिक कदम के रूप में स्वीकार किया जाए।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी– स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

मरकज मस्जिद में तरावीह हुई मुकम्मल

इमाम को स्कूटी व मुअज्जिन को नकद राशि देकर किया गया सम्मानित

बिसवां (सीतापुर)। रमजान के पवित्र महीने में मरकज मस्जिद में तरावीह पूरी होने पर इमाम को सम्मान से नवाजा गया। मस्जिद के इमाम हाफिज मोहम्मद उमर जहांगीराबादी ने पूरे रमजान में तरावीह की नमाज अदा कराई। उनकी इस मेहनत और सेवा के लिए सम्मान में उन्हें एक स्कूटी उपहार स्वरूप भेंट कर सम्मानित किया गया।इसके साथ ही मस्जिद के मुअज्जिन (अजान देने वाले) तौफीक को भी उनकी सेवाओं के लिए 10,500/- रुपये देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ. फुरकान अहमद अंसारी, डॉ. वसीक अहमद अंसारी, हाजी मो0 इरफान, हाजी मौलाना नफीसुलहक मजाहिरी, मुफ्ती सिराज, मौलाना तजकीर, इसरार व लुकमान समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आपसी बात विवाद के साथ संपन्न हुआ होली उत्सव

मीरजापुर। आपसी भाईचारा और सौहार्द का त्यौहार दिन पर दिन नशा,झगड़ा और कुर्तियों का त्योहार बनते जा रहा है। सदियों से चला आ रहा होली का उत्सव पूर्णिमा के दिन होलिका दहन से शुरू होकर दूसरे दिन रंग गुलाल लगाकर एक दूसरे को बधाई देकर मनाया जाता है, लेकिन अब की युवा पीढ़ी नशीले पदार्थ का सेवन कर रंग में भंग डालने का कार्य करते हैं। अहरौरा थाना क्षेत्र में भी कई जगहों पर वाद-विवाद और मारपीट कर होली मनाई गई। पुलिस प्रशासन भी दिन भर चहल कदमी करते हुए नजर आए। कई जगह हुए झगड़े से थाना प्रभारी अजय मिश्रा काफी भाग दौड़ करते दिखे कुछ लोगों को शांति भंग में चालान भी किया। वर्ष में एक बार आने वाला प्रेम सद्भावना का त्यौहार कुछ लोगों के वजह से समय-समय पर कलंकित होते रहता है।

होली पर 3900 वें दिन अनवरत ग्रीन गुरु जी ने किया पौध रोपण

मीरजापुर। होली के पावन पर्व पर 3900 वें दिन लगातार पौध रोपण के क्रम में प्रधानाचार्य, अनिल कुमार सिंह,ग्रीन गुरु जी, द्वारा 01 जुलाई 2015 से लगातार प्रति दिन किये जा रहे पौध रोपण के 3900 वें दिन के क्रम में होली के पावन पर्व पर सुगंधित पुष्प वाले पौध, मिनी कामिनी का रोपण जे.पी. पुरम, कॉलोनी, पटेलनगर, कतवारू के पूरा, मीरज़ापुर के अपने आवासीय परिसर के गमले में ग्रीन गुरु जी ने अभिनव सिंह के सहयोग से किया।

लखनऊ में लेफ्टिनेंट कर्नल की गाड़ी में ट्रक ने मारी टक्कर, बाल-बाल बचा परिवार

लेफ्टिनेंट कर्नल की कार को ट्रक ने मोहनलालगंज में टक्कर मारी।

हादसे में कार कई बार पलटी, परिवार सुरक्षित बचा।

घायलों को अस्पताल से छुट्टी मिली, मुकदमा दर्ज।

(लखनऊ)। परिवार के साथ कार से प्रयागराज जा रहे लेफ्टिनेंट कर्नल की कार में ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर के बाद कई बार पलटकर कार दूसरी दिशा में जा गिरी। राहगीर बचाव के दौड़े और कार सवार परिवार को बाहर निकलकर निजी अस्पताल पहुंचाया जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने ट्रक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। लेफ्टिनेंट कर्नल सुबेक सिंह डिंडसा अपनी पत्नी संदीप कौर, बेटे फतेहवीर और बेटी हर नाम कौर के साथ प्रयागराज घर जा रहे थे। इस दौरान मोहनलालगंज में हाइवे पर फुलवरिया मोड़ से आगे एक रेस्टोरेंट के सामने पीछे से आ रहे ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कार हाइवे की दूसरी पट्टी पर जा गिरी। लेफ्टीनेंट व उनका परिवार में फंस गया। हादसे में बाद ग्रामीणों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इस हादसे में महिला व उनके बेटे को मामूली चोट आई। इसके बाद लेफ्टिनेंट कर्नल की तहरीर पर अज्ञात ट्रक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया।

कब्रिस्तान में खुदी मिली आधी कब्र इलाके में मचा हड़कंप, पुलिस को आशंका- जानवर ने खोदा गढ्ढ़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में शहर कोतवाली क्षेत्र की सदर चौकी इलाके में स्थित एक कब्रिस्तान में गुरुवार सुबह एक कब्र आधी खुदी मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया जानकारी के अनुसार सुबह करीब 7 बजे कुछ लोग कब्रिस्तान पहुंचे थे। उनके परिवार में दो दिन पहले ही एक व्यक्ति की मृत्य हुई थी और वे कब्र पर फातिहा पढ़ने आए थे कब्रिस्तान पहुंचने पर लोगों ने देखा कि सदर बाजार निवासी मृतक जुबैर की कब्र की मिट्टी आधी हटाई हुई है। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

इसके बाद लोगों ने तुरंत कब्रिस्तान के जिम्मेदार इसरार को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही इसरार मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी सदर चौकी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर सदर चौकी इंचार्ज स्वाति चतुर्वेदी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और कब्र की जांच की। उन्होंने कब्र के अंदर जाकर यह भी देखा कि जुबैर की बॉडी सुरक्षित है या नहीं और कहीं शरीर का कोई हिस्सा गायब तो नहीं है। जांच के दौरान पाया गया कि शव कब्र के अंदर सुरक्षित है और किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं हुई है।

प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी जानवर ने कब्र की मिट्टी हटाने का प्रयास किया होगा, जिससे कब्र का कुछ हिस्सा खुल गया। इसके बाद मृतक के परिजनों की रजामंदी से कब्र को दोबारा ठीक से बंद करा दिया गया। घटना की सूचना फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ कब्रिस्तान में जमा हो गई। लोगों में घटना को लेकर भय और आशंका का माहौल था। इस दौरान कब्रिस्तान के जिम्मेदार इसरार के अलावा सदर बाजार जामा मस्जिद के जिम्मेदार रिजवान खान, मुशीर खान, रेहान खान, समीर खान, फरदीन खान, फ़राज़ और सपा नेता अनस खान भी मौके पर मौजूद रहे। चौकी इंचार्ज स्वाति चतुर्वेदी ने लोगों को आश्वस्त किया कि मामले की जांच की जा रही है और भविष्य में ऐसी घटना न हो इसके लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे!!

अगर रोडवेज बस में कोई बिना टिकट के सफर कर रहा होगा तो क्या होगा? रायबरेली में तो हुआ ये एक्शन

रायबरेली। परिवहन निगम डिपो से कानपुर जा रही रोडवेज बस संख्या यूपी 33 एटी 5263 में बीती 14 फरवरी को विभागीय जांच टीम द्वारा की गई। जांच के दौरान 10 बेटिकट यात्रियों को यात्रा करते पकड़ा गया था। जिसको लेकर संविदा परिचालक के ड्यूटी पर रोक लगाते हुए आगे की कार्रवाई जारी की गई है। जांच के दौरान टीम ने पाया कि बस में सवार 10 यात्रियों के पास वैध टिकट नहीं था। मामले की रिपोर्ट जांच टीम ने क्षेत्रीय प्रबंधक को भेजने के साथ ही रायबरेली डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को भी अवगत कराया गया है। प्रथम दृष्टया लापरवाही मानते हुए संबंधित संविदा परिचालक को अग्रिम आदेश तक रूट आफ कर दिया गया है। इसके साथ ही परिचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक अमरनाथ सहाय का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम गोंदा मुआज्जमनगर में पुरानी रंजिश में हिंसक हमलाः तीन लोग गंभीर घायल, जान से मारने की कोशिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/रहीमाबाद : रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गोंदा मुआज्जमनगर में पुरानी रंजिश के चलते बुधवार को एक परिवार पर भीषण हमला हुआ। गांव के ही कुछ हमलावरों ने लाठी-डंडों, बेल्टों से पीट-पीटकर तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमलावर घर में घुसकर पीड़ितों को जान से मारने की कोशिश करते रहे।पीड़ित कमलेश मौर्य (ग्राम गोंदा मुआज्जमनगर निवासी) ने पुलिस को दी गई लिखित तहरीर में बताया कि पुरानी रंजिश के कारण गांव के ही कुछ लोगों ने उनके घर पर अचानक हमला बोल दिया। हमलावरों ने घर में जबरन घुसकर कमलेश, उनकी पत्नी और परिवार की महिलाओं पर बेरहमी से वार किए। हमले में:कमलेश मौर्य का सिर फट गया, वे गंभीर रूप से घायल हैं। उनकी पत्नी रूपाली को गंभीर चोटें आईं।

कमलेश के भाई कैलाश की पत्नी रेखा का पैर टूट गया। जब गांव के अन्य लोग घटनास्थल पर पहुंचे , तब हमलावर जान से मारने की धमकियां देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित पक्ष ने हमलावरों के रूप में गांव के ही सुरेंद्र उर्फ गैंडा ,टाइगर करन ,और साहिल का नाम लिया है।सूचना मिलते ही रहीमाबाद पुलिस तुरंत सक्रिय हुई। पुलिस ने घायलों को तत्काल मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि घायलों का मेडिकल परीक्षण पूरा कर लिया गया है। कमलेश मौर्य की लिखित तहरीर के आधार पर मामला दर्ज किया जा रहा है। आरोपियों की तलाश जारी हैं और जल्द ही हमलावरों पर ठोस कार्रवाई होगी 7 स्थानीय लोग पुरानी रंजिश को हमले का मुख्य कारण बता रहे हैं। पुलिस जांच में जल्द ही मामले की पूरी सच्चाई सामने आने की उम्मीद है।

होली में खूब लुटाया गुलाल, जहांगीराबाद में होलिहारों ने मचाया धमाल

- **धूमधाम से निकली शंकर जी की बारात शामिल रहे सैकड़ों बराती।**
- **डीजी और भांगड़ा ढोलों के बीच खूब नाचे बराती।**
- **एक दूसरे को रंग लगाते, अबीर गुलाल लुटाते, विविध रूप बनाये नाचते गाते चल रहे थे बराती।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। गत सोमवार को रात लगभग 12:30 बजे होलिका दहन होते ही होलियारों पर होली के रंग का बुखार सा चढ़ गया। मंगलवार को त्योहार में गैपिंग होने के कारण बुधवार को जैसे ही सुबह हुई अबीर गुलाल जेबों, झोलों और बोरियों में लेकर निकल पड़े होलिहार होली खेलने। पूर्वाह्न लगभग दस बजे सभी होलिहार इकट्ठा होकर परम्परागत रूप में डीजे व ढ़ोलों की धुनों पर थिरकते, नाचते और होली के गीत गाते एक दूसरे के चेहरों पर गुलाल लगाते और कपड़ों को रंगते हुये एक बड़ी टोली? के रूप में निकल पड़ी शंकर जी की बरात। बरात में विविध प्रकार के बराती शामिल थे जो अनेक प्रकार के रूप बनाये हुये थे। टोली ने हर एक सनातनी हिन्दू परिवार के घर घर जाकर अबीर गुलाल लगाया।पूरे गांव में बरात ने भ्रमण कर खुशी और उल्लास के साथ होली का त्योहार मनाया और खूब अबीर गुलाल लुटाया।

अपराह्न लगभग दो बजे सकुशल रंग समाप्त हो गया। इस मौके पर थानाध्यक्ष सदरपुर मुकेश वर्मा, उपनिरीक्षक व अपने हमराही महिला पुरुष आरक्षियों के साथ पूरी मुस्तैदी के साथ पूरे समय टोली के साथ साथ चलते रहे। हर वर्ष की भांति इस बार भी होलियारों ने सबसे ज्यादा धमाल गांव के बीचोबीच स्थित श्री राम मनोहर श्रीवास्तव स्मारक विद्यालय के प्रांगण में मचाया जहां काफी देर तक नाचते गाते और अबीर गुलाल लुटाते एक दूसरे को रंग लगाते रहे। शंकर जी की बरात में शामिल कई गण तो जोर जोर से चिल्लाते भी नजर आये। प्राचीन समय से प्रत्येक वर्ष जहांगीराबाद कस्बे में पूरे क्षेत्र को देखते हुए बड़े ही धूमधाम से होली खेली जाती है। दोपहर बाद से ही लोगों का एक दूसरे के घरों में जाकर होली मिलने और गुझिया पकवान खाने का सिलसिला चालू हुआ जो देर रात तक जारी रहा। होली का त्यौहार शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न हो गया।

हमें अपने बुजुर्गों की तालीमात पर अमल करना ज़रूरी है नमाज़ दीन व हमारी ज़िन्दगी का अहम हिस्सा है:- मदनी मियां सज्जादानशी काज़िम हुसैन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर जैसे जैसे रमज़ानुल मुबारक का महीना अपने समापन की ओर बढ़ रहा है उसी तरह सभी हाफ़िज़े क़ुरआन मसाजिद में नमाज़ तरावीह में क़ुरआन पूरा करके अल्लाह से मुल्क में अमन व शांति की दुआ कर रहे हैं इसी क्रम में विगत रात्रि दरगाह हज़रत छोटे मखदूम साहब में दरगाह परिसर में ही मदनी मियां के द्वारा संचालित मदरसा जामिया निजामिया के छात्र हाफ़िज़ तैय्यब ने इस बार तरावीह में क़ुरआन को पढ़ा जिससे सभी नमाजियों में बड़ी खुशी पाई गई इसी मदरसा के दूसरे छात्र शादान अहमद मोती मस्जिद में नमाज तरावीह मुकम्मल करवा रहे हैं। दरगाह में मुकम्मल होने पर जन समुदाय को सम्बोधित करते हुए सज्जादा नशीन सैय्यद अजीजुल हसन रिजवी मदनी मियां ने कहा कि मुसलमान के घर मे पैदा हो जाने से ही हम मुसलमान नहीं हो सकते हमे अल्लाह और उसके रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के बताए हुए रास्ते पर चलना होगा और रमज़ान के अलावा पूरे साल पांच वक़्त की नमाज़ अनिवार्य रूप से पढ़नी चाहिए तभी कामियाबी हासिल होगी। क्योंकि नमाज़ के बिना कुछ भी होने वाला नहीं इससे हमारी दुनियां और आखि़रत दोनों बन जाती हैं, श्री मदनी मियां ने यह भी कहा कि एक अजीब बात देखने को मिलती है कि हाफ़िज़ के पीछे दस या पन्द्रह दिन में या तीन दिन में लोग पूरा क़ुरआन तरावीह में सुन लेते हैं फिर आज़ाद हो जाते हैं और यह समझ लेते हैं कि तरावीह ख़त्म हो गई तो समझ लें कि यह हमारी बहुत बड़ी भूल है क्योंकि तरावीह रमज़ान का चाँद देख कर शुरू और ईद का चाँद देख कर ही ख़त्म होती है। इस अवसर सज्जादा नशीन सैय्यद मदनी मियां के अलावा दर्जनों नमाज़ पढ़ने वाले लोगों ने हाफ़िज़ तैय्यब तथा उनके उस्ताद गुरु हाफ़िज़ नौशाद को नज़राना तथा अंग वस्त्र के रूप में उपहार भी दिए।इस समापन अवसर पर मदनी मियां के सुपुत्र जो हाफ़िज़ा कर रहे हैं हाफ़िज़ सैय्यद गुफरान हसन रिज़वी, सैय्यद कामरान हसन रिज़वी, मोहम्मद जुनेद, पूर्व सभासद ज़िया उद्दीन खान, इमरान सिद्दीकी, शरीफ़ अंसारी, सैय्यद अंसार मियां,सैय्यद मोहम्मद कबीर, नईमुल्ला खान, तशहीर

सिद्दीकी, इंजीनियर रेहान अहमद आदि मौजूद थे। इसके अलावा दादा मियां की मस्जिद में हाफ़िज़ सैय्यद शारिक किरमानी ने तथा मस्जिद अनस मियां में हाफ़िज़ इस्लामुद्दीन ने तरावीह में क़ुरआन मुकम्मल किया जबकि नई बाज़ार मस्जिद, साबरी मस्जिद, मस्जिद अबूबक्र में भी क़ुरआन मुकम्मल हुआ।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रंगों का पर्व होली

चुनार, मीरजापुर। तहसील क्षेत्र के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ रंगों का पर्व होली मनाई गई। कही कही दो एवं तीन मार्च को तहसील क्षेत्र में होलिका का दहन हुआ। लेकिन चंद्रग्रहण की वजह से क्षेत्र के ज्यादातर जगहों पर मंगलवार को लोग रंग नहीं खेल पाए। चुनार क्षेत्र के प्रत्येक हिस्सों में उमंग और उल्लास का माहौल रहा।सड़कों पर रंगों से सजी टोलियां निकाल कर मज़े की होली का हुड़दंग हुआ और डीजे की धुन पर खुब डांस किया गया। वहीं मुस्लिम समाज के लोगों का एक बजे के नमाज़ सम्पन्न कराने के लिए प्रत्येक मस्जिद के सामने पुलिस प्रशासन बड़ी मुस्तैदी से तैनात किया गया था। चुनार क्षेत्राधिकारी मंजरी राव व कोतवाल विजय शंकर सिंह ने मयफोर्स क्षेत्र में सकुशल होली सम्पन्न कराने के लिए चक्रमण करते नजर आए।

बिना हेलमेट और इंश्योरेंस के बाइक चलाते दिखे पुलिसकर्मी, उठे सवाल

- **यातायात नियमों पर उठे सवाल, लोगों ने कहा– कानून सबके लिए समान होना चाहिए**
- **जनता का चालान, खुद नियमों से बेपरवाह? निंबू पार्क चौकी का मामला चर्चा में**
- **नियमों का पालन कौन करे? बिना हेलमेट बाइक चलाते दिखे पुलिसकर्मी**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। निंबू पार्क पुलिस चौकी पर तैनात एक पुलिसकर्मी हाल ही में बिना हेलमेट के बाइक चलाते हुए दिखाई दिए। बताया जा रहा है कि जिस बाइक से वह आवागमन कर रहे थे, उसका बीमा भी नहीं है। इसके बावजूद वे उसी वाहन से सड़क पर आते-जाते नजर आए।

मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने इस घटना को लेकर हैरानी जताई। स्थानीय लोगों का कहना है कि आमतौर पर पुलिस सड़क पर हेलमेट न पहनने या वाहन के कागज़ पूरे न होने पर आम नागरिकों का चालान करती है। ऐसे में जब पुलिसकर्मी स्वयं ही बिना हेलमेट बाइक चलाते दिखते हैं तो लोगों के मन में स्वाभाविक रूप से सवाल उठने लगते हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क सुरक्षा से जुड़े नियम सभी के लिए समान होने चाहिए। अगर नियम आम जनता के लिए अनिवार्य हैं तो उनका पालन जिम्मेदार पदों पर तैनात लोगों को भी करना चाहिए। हालांकि इस मामले को लेकर अभी तक संबंधित विभाग या अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नैमिषारण्य धाम में होली परिक्रमा मेला महोत्सव की भव्य तैयारी

- **भक्ति, संस्कृति और सामुदायिक एकता का अनुपम संगम**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर संवाददाता : उत्तर प्रदेश के प्राचीन तीर्थस्थल मिश्रिख नैमिषारण्य में होली के रंगों से सराबोर होने वाला 'होली परिक्रमा मेला महोत्सव-2026 अब द्वार पर दस्तक दे चुका है। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित यह तीन दिवसीय (8 से 10 मार्च) महोत्सव न केवल भक्ति और लोक संस्कृति का अनोखा मेला सजाएगा, बल्कि आशा कार्यकर्ताओं, किसानों, शिक्षकों, अंगनवाड़ी कर्मियों और उद्योगजनों जैसे सामुदायिक समूहों के सम्मेलनों के माध्यम से ग्रामीण विकास और सांस्कृतिक संरक्षण की नई इबारत लिखेगा। 88,000 ऋषियों के यज्ञ स्थल पर रंग-गुलाल की धूम के साथ गूंजने वाले भजन, गीता पाठ और कवि सम्मेलन लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करने को बेताब हैं। यह महोत्सव उत्तर प्रदेश सरकार की 'संस्कृति उत्सव 2026 पहल का हिस्सा है, जो जनवरी से चली आ रही सांस्कृतिक श्रृंखला का चरमोत्कर्ष है। जिले के जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर ने बताया, 'नैमिषारण्य जैसे पावन धाम पर होली का उत्सव केवल रस्म नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का प्रतीक है। हमने स्थानीय परंपराओं को आधुनिक आयोजन के साथ जोड़कर एक ऐसा मंच तैयार किया है, जहां भक्ति के साथ विकास की चर्चा होगी।' प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह द्वारा 27 फरवरी को किया गया उद्घाटन समारोह भी इसकी भव्यता का प्रमाण है, जहां संत-महात्माओं और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूजन-अर्चना के साथ फीता काटा गया।

महोत्सव का शुभारंभ 8 मार्च को सुबह 11 बजे आशा कार्यकर्ताओं के सम्मेलन से होगा, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं की भूमिका पर विमर्श होगा। दोपहर 12 बजे स्वास्थ्य सहायता सम्मेलन के बाद शाम 7 बजे भजन संध्या की धुन पर रंग चढ़ेगा। प्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री स्वाती मिश्रा और हेमंत बृजवासी की जुगलबंदी से वातावरण भक्ति रस में डूब जाएगा। स्वाती मिश्रा, जिनकी भजनों ने देशभर में करोड़ों दिलों को छुआ है, ने कहा, 'होली का यह मंच मुझे अपनी मिट्टी से जोड़ता है। नैमिषारण्य की पवित्रता में गाए जाने वाले भजन श्रद्धा और उल्लास का अनोखा मिश्रण होंगे। 9 मार्च का दिन किसान और शिक्षक सम्मेलनों से रोशन होगा। सुबह 11 बजे किसान सम्मेलन में कृषि नवाचारों पर चर्चा होगी, जबकि दोपहर में शिक्षक सम्मेलन शिक्षा के भविष्य को नई दिशा देगा। शाम को अभिनेता पुनीत इस्सर का 'जय श्री कृष्णा-गीता सार' कार्यक्रम होगा। महाभारत के दुर्योधन के किरदार से घर-घर प्रसिद्ध इस्सर भगवद्गीता के सार को जीवंत प्रस्तुति के माध्यम से श्रोताओं तक पहुंचाएंगे। 'गीता का संदेश होली के रंगों में और भी जीवंत हो जाता है। यह अवसर युवाओं को आध्यात्मिकता से जोड़ने का है,' इस्सर ने अपनी तैयारी साझा की।

10 मार्च को अंगनवाड़ी और उद्योग सम्मेलन बाल विकास व औद्योगिक प्रगति के मुद्दों पर केंद्रित रहेंगे। शाम 7 बजे कवि सम्मेलन में प्रसिद्ध कवि सुरेंद्र शर्मा की अगुवाई में हास्य-व्यंग्य और भावुक रचनाओं की बौछार होगी। सुरेंद्र शर्मा, जिनकी कविताएं सामाजिक विडंबनाओं को आईना दिखाती हैं, ने उत्साहपूर्वक कहा, 'होली के रंगों में कविता का रंग घुलना चाहिए। नैमिषारण्य का यह मंच लोक कला को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। '

महोत्सव में लोक एवं पारंपरिक कार्यक्रमों की भरमार रहेगी। 10 मार्च को ही कठक नृत्य, नौटंकी, स्वांग, नाचा-घूमर जैसे 10 से अधिक लोक कलाओं की प्रस्तुतियां होंगी, जिसमें दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के कलाकारों की झलक मिलेगी। संस्कृति विभाग के अनुसार, यह आयोजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि ग्रामीण महिलाओं और किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। नैमिषारण्य, जहां व्यास जी ने महाभारत की रचना की, इस महोत्सव के साथ एक बार फिर इतिहास और वर्तमान का संगम बनेगा। जिला प्रशासन ने यातायात, सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित की है। उत्सव में प्रवेश निःशुल्क है, लेकिन श्रद्धालु समय से पहुंचें। होली के रंगों में डूबते हुए यदि आप भी इस सांस्कृतिक यात्रा का हिस्सा बनें, तो जीवन की धूल झड़ जाएगी।

पुलिस लाइन में एसपी अंकुर अग्रवाल ने मनाई होली, पुलिसकर्मियों के साथ लॉलीपॉप लागेलू गाने पर किया डांस

- **भक्ति, संस्कृति और सामुदायिक एकता का अनुपम संगम**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर की पुलिस लाइन में होली का पर्व इस बार बड़े ही धूमधाम और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। रंगों के इस पावन अवसर पर पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने पुलिस परिवार के साथ जमकर होली खेली और सभी को त्योहार की शुभकामनाएं दीं कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों में उत्साह और उमंग देखने को मिला। होली मिलन समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने माइक थामकर 'कमरिया लॉलीपॉप लागे लू' गाना भी गाया, जिसे सुनकर वहां मौजूद पुलिसकर्मियों का उत्साह और बढ़ गया इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें कंधे पर उठाकर जश्न मनाया और फिल्मी गानों पर जमकर डांस किया। पूरे परिसर में रंग-गुलाल उड़ते रहे और सभी एक-दूसरे को रंग लगाकर त्योहार की खुशियां साझा करते नजर आए। पुलिस लाइन परिसर में पारंपरिक अंदाज में होली खेलने की भी व्यवस्था की गई थी यहां मिट्टी खोदकर कीचड़ तैयार किया गया था, जिसमें पुलिसकर्मी एक-दूसरे को कीचड़ में फेंकते हुए मस्ती करते दिखाई दिए इस दौरान माहौल पूरी तरह उत्सवमय बना रहा और पुलिसकर्मी डीजे की धुनों पर थिरकते नजर आए। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। अधिकारियों ने कहा कि होली

का त्योहार प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द का प्रतीक है जिसे सभी को मिलजुलकर मनाना चाहिए। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आलोक सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश सिंह, सीओ बिसवां अमन सिंह, सीओ महमूदाबाद वेद प्रकाश, सीओ सिटी विनायक भोसले सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे सभी ने मिलकर होली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया!!

कार्यालय ग्राम पंचायत चिवटिहवा विकास खण्ड गैसड़ी जनपद-बलरामपुर

निविदा/कोटेशन

ग्राम पं0 चिवटिहवा में सी0सी0 रोड निमार्ण हेतु इच्छुक निविदा कोटेशन पंजीकृत टैक्स प्रदाता फर्म आमंत्रित की जाती हैं। जो दिनांक 07-03-2026 से 09-03-2026 तक निविदा पत्र प्राप्त एंव जमा की जा सकती हैं। निविदा कोटेशन दिनांक दिनांक 10-03-2026 को ग्राम पं0 कार्यालय में प्रधान / सचिव निमार्ण कार्य समिति की उपस्थिति में खोली जायेगी निविदा कोटेशन स्वीकृत / अस्वीकृत का अधिकार ग्राम पं0 के पास सुरक्षित होगा कय की जाने वाली सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी ईट, ईट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, बालू, मोरंग, लाल बालू सरिया, सीमेन्ट निमार्ण आदि से सम्बन्धित सामग्री की मात्रा ग्राम पं0 में स्वीकृती प्राक्कलन के अनुसार पृथक होगी निविदा कोटेशन वित्तीय वर्ष 2025-2026 में कराये जाने वाले कार्य प्रभावी रहेंगी।

कार्य का नाम

1. रंगीले यादव के घर से प्रा0पा0तक सी0सी0 रोड निमार्ण कार्य।

ग्राम प्रधान
बरसाती
ग्रा0 पं0-चिवटिहवा
विकास खण्ड गैंसड़ी-बलरामपुर

ग्रा0वि0 अधिकारी
सुशील कुमार पटेल
ग्रा0 पं0-चिवटिहवा विकास खण्ड
गैंसड़ी-बलरामपुर

संक्षिप्त खबरें

होली पर रंग डालने को लेकर बाराबंकी में बवाल... दो पक्ष भिड़े, 11 घायल

लखनऊ। बाराबंकी पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के एक गांव में होली के दिन रंगों से खेलने को लेकर हुए विवाद ने दो गुटों के बीच हिंसक झड़प का रूप ले लिया, जिसमें कम से कम 11 लोग घायल हो गए। यह घटना बुधवार दोपहर उत्तर प्रदेश के टिकारिया गांव में घटी। पुलिस के अनुसार, रंगों से खेलने को लेकर दोनों गुटों के बीच हुई कहासुनी जल्द ही खूनी झड़प में तब्दील हो गई। आरोप है कि दोनों गुटों ने करीब 10 मिनट तक एक-दूसरे पर लाठियों, डंडों और लोहे की छड़ों से हमला किया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप किया और स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों को शांत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि एक पक्ष के आठ और दूसरे पक्ष के तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को चिकित्सा जांच के लिए भेजा गया है। एक ग्रामीण अवधेश ने आरोप लगाया कि जब घर में कोई पुरुष सदस्य नहीं था, तब विरोधी गुट के सदस्य उसके घर में घुस आए और उसके परिवार पर हमला किया। उसने दावा किया कि जब वह और अन्य लोग वहां पहुंचे और बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उन्हें भी पीटा गया। अवधेश ने आगे आरोप लगाया कि चार लोगों ने उसे पकड़ लिया और चाकू से उस पर हमला किया। पुलिस ने बताया कि झड़प के बाद गांव में तनाव फैल गया था, लेकिन फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। देवा थाना अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि दोनों पक्षों ने शिकायतें दर्ज कराई हैं और उनके आधार पर मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घायलों की चिकित्सा जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटना से संबंधित वीडियो की भी जांच कर रही है और निवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

नोएडा में उपभोक्ताओं को मिलेगी बेहतर बिजली बिलिंग सुविधा, दो नए दफ्तर खुलेंगे

नोएडा। जिले में उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए इसी माह दो नए बिलिंग दफ्तर शुरू होंगे। बीते माह तीन दफ्तर शुरू कर दिए गए हैं। उपभोक्ताओं की ओर बेहतर सुविधाओं के लिए यह दफ्तर शुरू किए जाएंगे। जिले में नई व्यवस्था शुरू होने के बाद एक समस्या को सुनने और बिना देरी के समय पर हल करने के लिए नए दफ्तर शुरू किए जा रहे हैं। नई व्यवस्था के तहत जिले में बिलिंग की व्यवस्था की जिम्मेदारी एक अधिशासी अभियंता को दे दी गई है। सेक्टर-18 में दफ्तर है। अब समस्या यह आ गई है कि देहात क्षेत्र के उपभोक्ता आनलाइन शिकायत करने के बजाए बिजली दफ्तर पर आकर शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। इसके चलते सेक्टर-18 बिजली दफ्तर पर लोगों की भीड़ लगी रहती थी। इसके चलते तीन नए दफ्तर दादरी, जेवर और दनकौर में भी बिलिंग दफ्तर बीते माह शुरू कर दिए गए। तीनों स्थानों पर बाबू और जेई की स्थाई तैनाती दे दी गई है। इसके अलावा अभी एई सप्ताह में एक-एक दिन तीनों दफ्तरों पर बैठ रहे हैं। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा वेस्ट और सेक्टर-23 नोएडा में भी बिलिंग दफ्तर शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इसी माह यहां दफ्तर शुरू हो सकते हैं।

गुरुग्राम नगर निगम का हेल्पर 40 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार, ACB ने ऐसे बिछाया जाल

गुरुग्राम। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुग्राम नगर निगम के हेल्पर को एक व्यक्ति से 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। आरोपी हेल्पर ने व्यक्ति से घर के निर्माण कार्य को न रुकवाने के एवज में 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज कर लिया। एसीबी की टीम ने गुरुवार को बताया कि नगर निगम गुरुग्राम के कार्यालय में तैनात हेल्पर कपिल के बारे में रिश्वत मांगने की शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि आरोपी कपिल ने उसके घर के निर्माण कार्य को न रुकवाने के एवज में 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। बातचीत के बाद 40,000 रुपये में सौदा तय हुआ। इस पर टीम ने जाल बिछाया। शिकायतकर्ता को मांगी गई राशि देकर आरोपी के पास भेजा गया। जैसे ही कपिल ने शिकायतकर्ता से 40,000 रुपये रिश्वत की राशि स्वीकार की, टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे नगर निगम गुरुग्राम कार्यालय के बाहर से पकड़ लिया।

पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार का आश्वासन, देश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं

आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। कतर वैश्विक एलएनजी आवश्यकताओं का 20% आपूर्ति करता है। कतर एनर्जी ने अप्रत्याशित स्थिति (फोर्स मेज्योर) घोषित कर दी है। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जीएआईएल (गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) भी अप्रत्याशित स्थिति (फोर्स मेज्योर) घोषित करेगी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच भारत वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश कर रहा है, ऐसे में ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने भारत को गैस बेचने की पेशकश की है। सरकारी सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सरकार गैस खरीदने के लिए वैकल्पिक बाजारों की खोज कर रही है, क्योंकि भारत वर्तमान में प्रतिदिन 195 मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर (एमएमएससीएमडी) गैस आयात करता है, जिसमें से कतर 60 मिलियन एमएमएससीएमडी की आपूर्ति करता है। भारत कच्चे तेल और एलपीजी की खरीद के लिए प्रमुख तेल उत्पादकों और व्यापारियों से बातचीत कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि सरकार अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के साथ भी चर्चा कर रही है। भारत जहाजों के बीमा के लिए अमेरिका से भी बातचीत कर रहा है।

सूत्रों ने आगे बताया कि पेट्रोल और डीजल की राशनिंग की कोई योजना नहीं है। आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। कतर वैश्विक एलएनजी आवश्यकताओं का 20% आपूर्ति करता है। कतर एनर्जी ने अप्रत्याशित स्थिति (फोर्स मेज्योर) घोषित कर दी है। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जीएआईएल (गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) भी अप्रत्याशित स्थिति (फोर्स मेज्योर) घोषित करेगी।

संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के साथ नया अनुबंध

देश ने हाल ही में अपनी ऊर्जा आपूर्ति को बढ़ाने के लिए संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के साथ एक नया अनुबंध किया है। सूत्रों के अनुसार, भारत दिन में दो बार ऊर्जा स्थिति की समीक्षा कर रहा है और ऊर्जा सुरक्षा के मामले में काफी मजबूत स्थिति में है। भारत का मौजूदा भंडार भी पर्याप्त है और प्रतिदिन नए भंडार भरे जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, विश्व में एलपीजी, एलएनजी और कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है। सूत्रों ने बताया कि भारत अन्य आपूर्तिकर्ताओं के भी संपर्क में है।

पश्चिम एशिया में चल रही उथल-पुथल के बीच, सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास आठ सप्ताह का कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का भंडार है, जिसमें रणनीतिक भंडार भी शामिल हैं। भारत के कच्चे तेल आयात का केवल लगभग 40 प्रतिशत ही होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जिससे क्षेत्रीय व्यवधानों का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पश्चिम एशियाई क्षेत्र में बदलती स्थिति के बावजूद देश ऊर्जा सुरक्षा के मामले में मजबूत स्थिति में बना हुआ है।

नोएडा में विवाहेतर संबंध को लेकर मारी गोली, प्रेमी साहिल सिंघल की मौत; महिला के भाई ने की फायरिंग

नोएडा। सेक्टर-75 स्थित आईवी काउंटी में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। थाना सेक्टर-113 को डायल-112 के जरिए सूचना मिली कि वहां एक व्यक्ति को गोली लगी है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि पीड़ित साहिल सिंघल (पुत्र योगेश कुमार सिंघल, उम्र 39 वर्ष), निवासी आईवी काउंटी, सेक्टर-75, गौतमबुद्ध नगर को गोली मारी गई थी। उसके पिता ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया कि साहिल सिंघल पहले से विवाहित था और पिछले लगभग 4 वर्षों से एक महिला के साथ उसका विवाहेतर संबंध चल रहा था। घटना के दिन वह महिला अपने दो भाइयों के साथ साहिल से मिलने आई थी, जिनकी सोसाइटी में एंट्री साहिल ने ही कराई थी। दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और महिला के एक भाई ने साहिल पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामला दर्ज किया है और दो व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया है। अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह घटना विवाहेतर संबंध से जुड़े विवाद के कारण हुई बताई जा रही है।

चाय जनजाति की जाति/पदवी संबंधी समस्याओं के लेकर मंत्री पीयूष हजारिका को सौंपा ज्ञापन सौंपा

● मंत्री ने शीघ्र आवश्यक कदम उठाने और समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः असम के बराक चाय श्रमिक यूनियन के नेतृत्व में चाय जनजाति समुदाय ने जाति प्रमाणपत्र से जुड़ी जटिलताओं तथा हाल ही में नौकरी प्राप्त उम्मीदवारों को बार-बार सत्यापन के नाम पर कथित उत्पीड़न के खिलाफ एक मांग-पत्र सौंपा। ज्ञापन में इन समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग की गई है। गत 2 मार्च (सोमवार) को यह मांग-पत्र कछार जिला आयुक्त के माध्यम से असम के मुख्यमंत्री Himanta Biswa Sarma और राज्यपाल Gulab Chand Kataria को भेजा गया। इसके बाद गत 3 मार्च (मंगलवार) को सिलचर स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में मंत्री पियूष हजारिका को सीधे ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन की प्रतिलिपि मंत्री कौशिक राय, मंत्री कृष्णेंदु पाल, बराक के पूर्व सांसद राजदीप राय, सांसद कनाद पुरकायस्थ, विधायक विजय मालाकार, मिहिर कान्ति सोम तथा निहार रंजन दास सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को भी दी गई।

इस अवसर पर बराक चाय श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष कृपानाथ मालाह, महासचिव राजदीप ग्वाला सहित अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। मंत्री पियूष हजारिका ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए, शीघ्र आवश्यक कदम उठाने और समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

मिठाई लेने के विवाद में हुई बुजुर्ग की मौत घर में मचा कोहराम, दुकानदार- पुत्र पर मारपीट कर हत्या का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र में मिठाई की दुकान पर सामान लेने को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट में घायल एक बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों ने दुकानदार और उसके पुत्र पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के बेलहैया गांव निवासी हेतम पुत्र जुल्फू मिठाई लेने के लिए बुधवार देर शाम को स्थानीय दुकान पर गए थे। इसी दौरान दुकानदार से किसी बात को लेकर उनका विवाद हो गया। परिजनों के अनुसार दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मामला बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई परिजनों का आरोप है कि दुकानदार श्रीकेशन और उसके पुत्र ने बुजुर्ग के साथ जमकर मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घायल बुजुर्ग को परिजन इलाज के लिए एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां गुरुवार को

उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के परिजनों ने दुकानदार श्रीकेशन और उसके पुत्र के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी!!

गुरुग्राम में ब्लैकमेल, दुष्कर्म और फिर जेल से छूटते ही फर्जी शादी, अब विरोध करने पर महिला को लूटकर फरार

गुरुग्राम। ब्लैकमेल कर शादीशुदा महिला का यौन शोषण करने के बाद फर्जी कागजात पर कोर्ट मैरिज करने का मामला सामने आया है। महिला ने विरोध किया तो आरोपित महिला से मारपीट करने के बाद गहने और नकदी लेकर घर से फरार हो गया। अब महिला ने सेक्टर 37 थाने में आरोपित के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में उत्तर प्रदेश के औरैया जिले की रहने वाली महिला ने बताया कि उसका मायका वहीं के एक गांव में है। करीब चार साल पहले जब वह मायके में थी। उसी दौरान पड़ोस में रहने वाले प्रदीप यादव ने नहाने के दौरान आपत्तिजनक वीडियो बना ली। इसके बाद ब्लैकमेल कर कई बार दुष्कर्म किया। यह जानकारी पति को देने के साथ ही महिला ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कराया। इस पर पुलिस ने आरोपित को पकड़कर जेल भेज दिया। वहीं विवाद होने पर पति ने भी महिला को तलाक दे दिया। इधर आरोपित प्रदीप यादव ने महिला को शादी का भरोसा दिया। जमानत पर आने के बाद आरोपित ने महिला से कोर्ट मैरिज कर ली। उसने इसके कागजात दिखाए।

डीजे पर डांस को लेकर हुआ विवाद जमकर चले लाठी-डंडे एक ही परिवार के चार लोग घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में होली के मौके पर डीजे पर डांस करने को लेकर हुए विवाद में जमकर लाठी-डंडे चल गए। मारपीट में एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के दलावल गांव का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार होली के अवसर पर गुरुवार दोपहर को गांव में डीजे लगाया गया था, जहां महिलाएं डांस कर रही थीं। इसी दौरान गांव के ही कुछ युवक वहां पहुंच गए और डीजे पर जबरन डांस करने लगे महिलाओं के बीच युवकों के डांस करने का विरोध किया गया तो दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उस समय युवक वहां से चले गए, लेकिन कुछ देर बाद अपने साथियों के साथ लाठी-

डंडे लेकर वापस आ गए आरोप है कि इसके बाद युवकों ने परिवार के लोगों पर हमला कर दिया और जमकर मारपीट की इस हमले में रागिनी नाम की महिला के पिता, भाई और चाचा सहित कुल चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया घायलों को परिजनों और ग्रामीणों की मदद से तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पीड़िता रागिनी ने बताया कि महिलाएं डीजे पर नाच रही थीं, तभी दलावल के कुछ लड़के आकर डांस करने लगे। मना करने पर पहले धक्का-मुक्की की और बाद में लाठी-डंडे लेकर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी!!

लवि में नए सत्र से एमफार्म की पढ़ाई, फार्मास्युटिकल और फार्माकोलॉजी की 15-15 सीटों पर होंगे प्रवेश

● लवि में 2026-27 सत्र से एम.फार्म पाठ्यक्रम होंगे शुरू।

● पीसीआइ ने फार्मास्युटिक्स और फार्माकोलॉजी को दी अनुमति।

● छात्रों को उच्च शिक्षा और शोध के व्यापक अवसर मिलेंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में आगामी सत्र 2026-27 से एम.फार्म पाठ्यक्रम की भी पढ़ाई शुरू होगी। फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया (पीसीआइ) ने लवि के द्वितीय परिसर में एम.फार्म (फार्मास्युटिक्स) और एम.फार्म (फार्माकोलाजी) पाठ्यक्रमों के संचालन की अनुमति दे दी है।

संस्थान के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। इस सुविधा के बाद अब यहां स्नातक से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक फार्मेसी शिक्षा ली जा सकेगी। जानकीपुरम स्थित विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में स्थापित इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेस में अभी तक स्नातक स्तर पर बी.फार्म और डी.फार्म (डिप्लोमा पाठ्यक्रम) संचालित है।

पीसीआइ ने दी मान्यता

बी.फार्म की 100 सीटों पर कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) और डी.फार्म में लवि की प्रवेश परीक्षा से प्रवेश लिए जाते हैं। पीसीआइ ने इन दोनों की अगले सत्र की पुन : मान्यता भी दे दी है। कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने कहा कि एम.फार्म पाठ्यक्रमों की स्वीकृति संस्थान की शैक्षणिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, शोध एवं विशेषज्ञता विकसित करने के व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि पहली बार एम.फार्म के दोनों पाठ्यक्रमों में 15-15 सीटों पर प्रवेश होंगे। यह स्वीकृति संस्थान की उच्च स्तरीय अधोसंरचना, उन्नत प्रयोगशालाओं एवं शोध-सुविधाओं की औपचारिक पुष्टि करती है। पीजी के इन पाठ्यक्रमों की अवधि दो साल(चार सेमेस्टर) की होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इन पाठ्यक्रमों में सीयूईटी पीजी या ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट (जीपैट) की मेरिट से प्रवेश लेने पर विचार विमर्श किया जा रहा है।

धेमाजी जिले में मुख्यमंत्री हीमंत बिस्वा शर्मा की जन आशीर्वाद यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। 2026 के असम विधान सभा चुनाव के दिन नजदीक आते ही असम में सत्ताधारी भाजपा दल के साथ विपक्ष के राजनीतिक दलों ने चुनावी प्रचार तेज करते दिखाई दे रही है। भाजपा के दल के कार्यक्रम अनुसार मुख्यमंत्री हीमंत बिस्व शर्मा ने असम के चुनावी क्षेत्रों में जाकर जन आशीर्वाद लेने की कार्यक्रम अनुसार आज सुबह 11 बजे धेमाजी जिले की गोगामुख के सुबंशीरी महाविद्यालय खेल मैदान में हेलिकाप्टर से मुख्यमंत्री के साथ भाजपा असम प्रदेश के अध्यक्ष रंजीत कुमार सैकिया पहुंचे। मुख्यमंत्री को भाजपा जिला अध्यक्ष रूपा कामान, सहित टिकट प्रत्याशी गीतार्थ गोस्वामी, मंत्री रनोज पेगु, संसद प्रदान बरुआ, विधायक भुवन पेगु ने फूलों की माला पहनाकर मुख्यमंत्री को स्वागत किया। गोगामुख में हजारों की तादात में लोगों ने

मुख्यमंत्री के जन आशीर्वाद यात्रा में शामिल हुए। दुपहर को मुख्यमंत्री ने धेमाजी सदर में यात्रा कर 3 बजे मुख्यमंत्री ने सिसीबरगांव चुनावी क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 के सिसीबरगांव, कुलाजान के बाद सिलापथार मंडल भाजपा के तरफ से नामघोक में भाजपा टिकट प्रत्याशी गीतार्थ गोस्वामी सहित मंडल भाजपा के हजारों कार्यकर्ता साहित लोगों ने फूल बरसाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। रेली कर मुख्यमंत्री के साथ दस हजारों से अधिक लोगों ने झलकियांसुती घाग दलंग पुल तक पद यात्रा किया। जिले की डेमो एवं सिमेन छापरी में मुख्यमंत्री को स्वागत के लिए राजमार्ग पर लोगों की लंबे लाइन दिखाई दिए। आज के जन आशीर्वाद यात्रा में मुख्यमंत्री को संग दिया भाजपा के असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, मंत्री रनोज पेगु,सांसद प्रदान बरुआ और जोनाई के विधायक भुवन पेगु भी थे। शाम को मुख्यमंत्री ने जोनाई चुनावी क्षेत्र में जन आशीर्वाद यात्रा में भाग लेंगे।

नेपाल में वोटिंग खत्म, 60% वोटिंग हुई: PM कार्की बोलीं- अब मेरा रोल पूरा हुआ; गगन थापा-बालेन शाह और केपी शर्मा ओली के बीच मुकाबला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नेपाल में आम चुनाव के लिए सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक वोटिंग हुई। रात 12 बजे से काउंटिंग शुरू होगी। चुनाव आयोग के मुताबिक दोपहर 60% वोटिंग हुई। दूरदराज इलाकों में अभी भी वोटिंग हो रही है। अंतिम आंकड़ा जल्द जारी किया जाएगा। इससे पहले प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने काठमांडू के धापासी स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला था। उन्होंने कहा कि अब उनका रोल पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव देश का भविष्य तय करने वाला है। नेपाल चुनाव पर दुनिया के कई देशों की नजर है, क्योंकि सितंबर 2025 में युवाओं के हिंसक प्रदर्शनों के बाद यह पहला आम चुनाव है। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार गिर गई थी। ओली के इस्तीफे के बाद नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी, जो अब चुनाव करा रही है। इस चुनाव में काठमांडू के पूर्व मेयर बालेन शाह, केपी शर्मा ओली और गगन थापा को प्रधानमंत्री पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है।

नतीजों में हो सकती है देरी

इलेक्शन कमीशन नेपाल के चीफ प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टाराई ने दैनिक भास्कर से बात की। उन्होंने बताया कि चुनाव में GenZ ने पूरे उत्साह से भाग लिया। नेपाली कांग्रेस के PM कैंडिडेट गगन थापा की सीट सर्लाही में थोड़ा विवाद हुआ था। इसके अलावा शांति से चुनाव निपटा है। आज रात से वोट काउंटिंग शुरू होगी। 165 सीटों का रिजल्ट अगले 3 से 4 दिन और फाइनल रिजल्ट लगभग 15 दिनों में आएगा।

काफी संख्या में GenZ युवाओं ने वोटिंग की

नेपाल के चुनाव आयोग के अनुसार इस बार GenZ के युवाओं ने चुनाव में काफी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। करीब 10 लाख नए GenZ- मतदाताओं ने इस चुनाव के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था और इनमें से बड़ी संख्या में युवाओं ने मतदान किया।

हालांकि कितने युवाओं ने वोट डाला, इसका सटीक आंकड़ा मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही जारी किया जाएगा।

चुनाव में 60% वोटिंग हुई

नेपाल चुनाव आयोग के मुताबिक दोपहर 60% वोटिंग हुई। दूरदराज इलाकों में अभी भी वोटिंग हो रही है। अंतिम आंकड़ा जल्द जारी किया जाएगा।

नेपाल के पिछले चुनावों में मतदान प्रतिशत

2022: 61.63%
2017: 68.67%
2013: 78.34%
2008: 61.70%

भ्रष्टाचार के दोषी सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता व सहायक को चार-चार साल की सजा, सजा सुनते ही दया की करने लगे गुहार

बादशाहपुर (गुरुग्राम)। ठेकेदार के रूप में पंजीकरण करने के बदले रिश्वत मांगने के आरोपित सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता नवीन कुमार यादव एवं सहायक चंद्रशेखर को दोषी ठहराते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील चौहान की अदालत ने दो मार्च को चार-चार साल की सजा सुना दी। दोनों को पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

सार्वजनिक पद की गरिमा प्रभावित

अदालत ने आदेश में कहा कि जुर्माने की राशि जमा न करने की स्थिति में दोनों दोषियों को छह-छह महीने और जेल में रहना होगा। सजा सुनाने के दौरान टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा कि लोकसेवकों को वैधानिक जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं। उनसे निष्पक्षता व ईमानदारी की अपेक्षा की जाती है, लेकिन दोषियों ने ऐसा आचरण किया जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में जनता का विश्वास कमजोर हुआ। सार्वजनिक पद की गरिमा प्रभावित हुई।

दोनों को 10-10 हजार रुपये दे दिए

दरअसल, गांव भोंडसी के रहने वाले अनंतराम ने एंटी करप्शन ब्यूरो के गुरुग्राम कार्यालय में 16 दिसंबर 2022 को शिकायत दी थी। शिकायत में कहा था कि उन्होंने एक वर्ष पहले ठेकेदार के रूप में पंजीकरण कराने के लिए आवेदन सिंचाई विभाग में आवेदन किया था। उनकी फाइल सिंचाई विभाग के सेक्टर-14 कार्यालय में कार्यकारी अभियंता नवीन कुमार के पास लंबित थी। जब लंबित होने का कारण पूछा तो कार्यकारी अभियंता नवीन कुमार यादव एवं सहायक चंद्रशेखर ने रिश्वत के रूप में 35 हजार रुपये की मांग की। इस पर उन्होंने दोनों को 10-10 हजार रुपये दे दिए।

तब एंटी करप्शन ब्यूरो ने जाल बिछाया

इसके बाद भी फाइल नहीं निकाली गई और पैसे की मांग की जाती रही। कहा गया जब पैसे पूरे नहीं होंगे तब तक फाइल लंबित रहेगी। पूरा मामला समझने के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो ने जाल बिछाकर रिश्वत लेते हुए चंद्रशेखर को गिरफ्तार किया। चंद्रशेखर से पूछताछ के आधार नवीन कुमार यादव को भी गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में साक्ष्य व गवाहों के बयान के आधार पर जिला अदालत ने आरोपितों को दोषी ठहराते हुए सजा सुना दी। शिकायतकर्ता ने कार्यकारी अभियंता एवं सहायक से बातचीत की रिकॉर्डिंग भी कर ली थी। इस वजह से बचाव की कोई गुंजाइश नहीं बची।

सजा सुनाए जाने के दौरान दोनों गिड़गिड़ाते रहे

सजा पर बहस के दौरान चंद्रशेखर (41 वर्ष) ने दलील दी कि वह दो नाबालिग बेटियों, पत्नी और वृद्ध माता-पिता का एकमात्र कमाने वाला एक सदस्य है। उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। नवीन कुमार यादव (36 वर्ष) ने भी पारिवारिक जिम्मेदारियों और पूर्व में किसी आपराधिक मामले में संलिप्त न होने का हवाला देते हुए दया की प्रार्थना की। दोनों की बातों को अदालत ने एक सिरे से खारिज करते हुए लोक अभियोजक ने तर्क दिया कि सार्वजनिक सेवकों द्वारा रिश्वत लेना कानून के शासन को कमजोर करता है। ऐसे मामलों में कठोर दंड आवश्यक है ताकि समाज में बेहतर संदेश जाए। अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कहा कि भ्रष्टाचार से प्रशासनिक तंत्र की साख को गंभीर क्षति पहुंचती है, इसलिए ऐसे अपराधों से सख्ती से निपटना आवश्यक है।

दो महीने के दौरान चार को सजा

दो महीने के दौरान भ्रष्टाचार के मामले में चार अधिकारियों व कर्मचारियों को सजा सुनाए जाने से साफ है कि एंटी करप्शन ब्यूरो जीरो टालरेंस को ध्यान में रखकर काम कर रहा है। आरोपितों को बचाव का रास्ता न मिले, वे शिकायतकर्ता को प्रभावित न कर सकें, इसके ऊपर भी ब्यूरो ध्यान दे रहा है। इससे पहले बड़े-बड़े अधिकारी बच नहीं पा रहे हैं। दो महीने पहले भी जिला अदालत ने जीएसटी नंबर जारी करने के बदले रिश्वत लेने के आरोपित आबकारी एवं कराधान निरीक्षक (इंस्पेक्टर) सुमित्रा गोदारा एवं आबकारी एवं कराधान अधिकारी (ईटीओ) रोशनलाल को पांच-पांच साल की कैद व दो-दो लाख लाख रुपये का जुर्माने लगाकर दोषियों के मामले में सख्त संदेश दिया था। दोनों अदालत के सामने गिड़गिड़ाते रहते लेकिन उनकी एक न सुनी गई।